हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

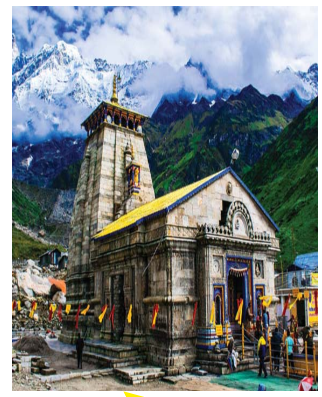

वर्ष:5 अंक:34 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, रविवार, 08 फरवरी 2026

शारदा रिवर फ्रंट से बदलेगी चम्पावत की तस्वीर: मुख्यमंत्री पुष्कर धामी

पथ प्रवाह, चम्पावत

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद चम्पावत के समग्र विकास हेतु 300 करोड़ से अधिक लागत की विभिन्न महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं भूमि पूजन किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने शिलान्यासित प्रमुख कार्यों में जनपद चम्पावत के अंतर्गत शारदा घाट पुनर्विकास (प्रथम चरण) कार्य 10,735 लाख, सिटी ड्रेनेज प्लान (प्रथम चरण) 6,649 लाख, नायर-खेरा क्षेत्र में डिजास्टर रेजिलिएन्स हेतु इकोलॉजिकल कॉरिडोर विकास 8,523 लाख, टनकपुर स्थित ग्राम पंचायत बस्तिया में टनकपुर-अस्कोट सीसी मार्ग पुनर्निर्माण 115 लाख, चम्पावत-खेतीखान मोटर मार्ग (एसएच-64) के अंतर्गत सुयालखर्क-पुनावे मिलान मार्ग का सुधारीकरण 320 लाख, माँ पूर्णागिरि घाटी (चूका क्षेत्र) में हेलीपैड निर्माण 187 लाख, विकासखंड पाटी में धूनाघाट-बसौट मोटर मार्ग नवनिर्माण 83 लाख, लोहाघाट में कामज्यूला-भनार-रैघाड़ी मोटर मार्ग सुधारीकरण 666.84 लाख, पाटी विकासखंड अंतर्गत सांगो-घिंघारूकोट-बांस बसवाड़ी मोटर मार्ग पुनर्निर्माण 89.36 लाख, टनकपुर के ग्राम बेलखेत में क़वेराला नदी से बाढ़ सुरक्षा कार्य 125.96 लाख, तहसील पूर्णागिरि के ग्राम बमनपुरी में हुड्डी नदी से हो रहे भू-कटाव की रोकथाम हेतु सुरक्षा कार्य 154.63 लाख, स्वामी विवेकानंद राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय लोहाघाट में परीक्षा हॉल निर्माण 672.11 लाख, सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के चम्पावत परिसर में केंद्रीय पुस्तकालय, चहारदीवारी एवं मिनी स्टेडियम निर्माण 2,045.78 लाख, कस्तूरबा गांधी छात्रावास टनकपुर का विस्तारीकरण 384.50 लाख तथा जिला कमांडेंट होमगार्ड्स कार्यालय के अनावासीय भवन का निर्माण 224.71 लाख शामिल हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शारदा रिवर फ्रंट (शारदा कॉरिडोर) परियोजना क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का आधार बनेगी और चम्पावत को पर्यटन, आस्था तथा आधुनिक शहरी सुविधाओं के मानचित्र पर नई पहचान दिलाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन योजनाओं से शिक्षा, सड़क, पर्यटन, आपदा प्रबंधन, शहरी विकास तथा आधारभूत संरचना को सुदृढ़ बनाया जाएगा। इससे सीमांत क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा युवाओं, किसानों, विद्यार्थियों और पर्यटकों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि चम्पावत आस्था, संस्कृति और इतिहास से समृद्ध भूमि है। यहाँ की आध्यात्मिक चेतना जीवन को दिशा देने वाली शक्ति है। माँ शारदा ज्ञान, विद्या और संस्कार की प्रतीक हैं और उनके पावन धाम के घाटों का विकास करना सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि टनकपुर की धरती पर आते ही उन्हें विशेष ऊर्जा का अनुभव होता है।

मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि विकास और सांस्कृतिक विरासत के संतुलन से ही उत्तराखण्ड की पहचान मजबूत होगी और चम्पावत आने वाले समय में एक आदर्श, सशक्त एवं आत्मनिर्भर जनपद के रूप में स्थापित होगा। उन्होंने सभी नागरिकों से जनभागीदारी, सांस्कृतिक संरक्षण और विकास के संकल्प को मजबूत करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान उपाध्यक्ष, उत्तराखण्ड वन एवं पर्यावरण सलाहकार समिति, श्याम पाण्डेय, अध्यक्ष, जिला पंचायत चम्पावत आनन्द सिंह अधिकारी, जिलाधिकारी मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक अजय गणपति अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद, चम्पावत श्रीमती प्रेमा पाण्डेय समेत अन्य विभिन्न अधिकारी तथा बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

भारत और मलेशिया के बीच रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी: मोदी

नयी दिल्ली, 07 फरवरी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उम्मीद जताई है कि उनकी मलेशिया यात्रा से दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी और मज़बूत होगी। मोदी ने शनिवार को मलेशिया की दो दिन की यात्रा पर रवाना होने से पहले अपने वक्तव्य में कहा कि दोनों देशों का लक्ष्य रक्षा और सुरक्षा संबंधों को गहरा करना, आर्थिक और नवाचार साझेदारी को बढ़ाना तथा सहयोग को नए क्षेत्रों में फैलाना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के बुलावे पर वहां की आधिकारिक यात्रा पर जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ' भारत और मलेशिया के बीच ऐतिहासिक संबंधों में हाल के सालों में लगातार प्रगति हुई है। मैं प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ अपनी बातचीत का इंतज़ार कर रहा हूँ, और अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत करने की उम्मीद करता हूँ। हमारा लक्ष्य अपने रक्षा और सुरक्षा संबंधों को गहरा करना, अपनी आर्थिक और इनोवेशन साझेदारी को बढ़ाना और अपने सहयोग को नए क्षेत्रों में फैलाना होगा। मोदी ने कहा कि वह मलेशिया में भारतीय समुदाय के लोगों से मिलने के लिए भी उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, ' मैं मलेशिया में भारतीय समुदाय से मिलने के लिए भी उत्सुक हूँ। उनकी संख्या लगभग तीन मिलियन है, और वे दुनिया के सबसे बड़े भारतीय डायस्पोरा में से एक हैं। मलेशिया की प्रगति में उनका बहुत बड़ा योगदान और हमारे दोनों देशों के बीच एक जीवित पुल के रूप में उनकी भूमिका हमारी ऐतिहासिक दोस्ती को एक मज़बूत आधार प्रदान करती है। '

विंटर कार्निवाल में गूंजा संस्कृति और विकास का संदेश, मुख्यमंत्री धामी बोले-खटीमा मेरा घर, मेरी कर्मभूमि

पथ प्रवाह, खटीमा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हेमवंती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खटीमा में छात्र संघ द्वारा आयोजित विंटर कार्निवाल में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग कर छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा छात्र संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विंटर कार्निवाल के अंतर्गत पहली बार आयोजित भजन क्लबिंग जैसे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन सनातन संस्कृति, लोक परंपराओं और युवा चेतना का सुंदर संगम हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश का युवा आधुनिकता के साथ अपनी जड़ों से भी मजबूती से जुड़ा है। ऐसे कार्यक्रम युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन छात्र-छात्राओं ने आज इस कार्यक्रम का संचालन किया है, वही भविष्य में राज्य और देश का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि 'खटीमा मेरे लिए केवल विधानसभा क्षेत्र नहीं, बल्कि मेरा घर और मेरी पहचान है।' इसी धरती से उन्होंने जनसेवा की शुरुआत की थी।

मुख्यमंत्री ने खटीमा क्षेत्र में हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, सड़क, कनेक्टिविटी और औद्योगिक विकास को प्राथमिकता दी गई है। गदरपुर-खटीमा बाईपास, नौसर पुल, केंद्रीय विद्यालय, चकरपुर खेल स्टेडियम, आधुनिक आईटीआई, पॉलीटेक्निक कॉलेज, 100 बेड अस्पताल, सिडकुल, साथी केंद्र, सैन्य स्मारक, पंतनगर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, जमरानी बांध, एम्स सैटेलाइट सेंटर और खुरपिया स्मार्ट इंडस्ट्रियल सिटी जैसे प्रोजेक्ट क्षेत्र को नई दिशा दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड आज रोजगार सृजन में अग्रणी राज्यों में शामिल है। प्रतिव्यक्ति आय में 17 गुना वृद्धि, बिजली उत्पादन में चार गुना बढ़ोतरी और 44 प्रतिशत रिवर्स पलायन इसका प्रमाण है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि देवभूमि की संस्कृति, कानून व्यवस्था और अस्मिता से कोई समझौता नहीं होगा। समान नागरिक संहिता, नकल विरोधी कानून और भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस नीति नए उत्तराखंड की पहचान है। कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री ने दिवंगत राम सिंह जेठी की पत्नी, ढील्लू सिंह राणा एवं जशोधर भट्ट के आवास पर पहुंचकर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अजय

मौर्य, मेयर दीपक बाली, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, एसएसपी मणिकांत मिश्रा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, छात्र संघ पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

एक नजर

चाचा पर जानलेवा हमला करने वाला आरोपी भतीजा गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जमीन को लेकर पारिवारिक विवाद में हुए जानलेवा हमले की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने घटना में शामिल पीड़ित के भतीजे को गिरफ्तार कर वह पाठल भी बरामद कर लिया जिससे जानलेवा हमला किया गया था। पुलिस के मुताबिक 05 फरवरी को करीब 11.00 बजे ग्राम शेरपुर खेलमऊ मे पुश्तैनी जमीन को लेकर अभिषेक पुत्र नीटू द्वारा अपने चाचा अनुज पुत्र महेन्द्र निवासीगण ग्राम शेरपुर खेलमऊ थाना झबरेडा पर पुरानी रंजिश को लेकर घर की सीढियों पर जान से मारने की नीयत पर पाठल से कई वार कर घायल कर दिया गया। उक्त सम्बन्ध में पीड़ित की माता द्वारा 6 फरवरी को थाना झबरेडा पर मु0अ0सं0 18 /2026 धारा 109(1), 352, 351(2) बीएनएस पंजीकृत कराया गया। आरोपी के तलाश में जुटी पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर शेरपुर खेलमउ गेट के करीब सडक पर आरोपी भतीजे अभिषेक को गिरफ्तार किया गया तथा उसकी निशानदेही पर गांव के बाहर से घटना मे प्रयुक्त पाठल बरामद की गयी। आरोपी को आज माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

हिंदी साहित्यकार डॉ प्रतिमा शर्मा का 88 साल की उम्र में निधन

पथ प्रवाह, हरिद्वार। स्वतंत्रता सेनानी परिवार की पुत्रवधू एवं हिंदी की साहित्यकार डॉ प्रतिमा शर्मा का निधन होने से धर्मनगरी हरिद्वार में शोक की लहर दौड़ गई। उनका अंतिम संस्कार कनखल शमशान घाट पर किया गया। शनिवार सुबह 4:00 बजे स्वतंत्रता सेनानी परिवार की पुत्रवधू एवं हिंदी की साहित्यकार डॉ प्रतिमा शर्मा का 88 वर्ष की अवस्था में उनके कनखल स्थित घर पर निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार दोपहर में कनखल शमशान घाट में किया गया। डॉक्टर प्रतिमा शर्मा हरिद्वार के सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी रामचंद्र शर्मा के बेटे डॉक्टर सुरेंद्र दत्त शर्मा की धर्मपत्नी थी। उनकी सास एवं जेठ वैद्य विष्णु दत्त शर्मा स्वतंत्रता सेनानी रहे। इस परिवार का महात्मा गांधी जी, पंडित जवाहरलाल नेहरू जी, सरदार वल्लभभाई पटेल आदि से निकट संपर्क था। नेहरू जी कई बार उनके घर पर आए। तीर्थ नगरी हरिद्वार कनखल का यह प्रतिष्ठित स्वतंत्रता सेनानी परिवार है। डॉक्टर प्रतिमा शर्मा ने गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय से सुप्रसिद्ध हिंदी साहित्यकार हरिवंश राय बच्चन पर पीएचडी की थी।

राज्य कर्मचारियों का एकदिवसीय धरना, एडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

पथ प्रवाह, हरिद्वार। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तराखंड की प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक में लिए गए निर्णयों के क्रम में परिषद के आह्वान पर 7 फरवरी 2026 को जनपद मुख्यालय हरिद्वार पर राज्य कर्मचारियों ने एकदिवसीय धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। धरना कार्यक्रम के उपरांत राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद जनपद शाखा हरिद्वार द्वारा 18 सूत्रीय मांग पत्र जिलाधिकारी के प्रतिनिधि अपर जिलाधिकारी (एडीएम) हरिद्वार को सौंपा गया, जिसे मुख्यमंत्री उत्तराखंड सरकार को प्रेषित किया गया। धरना कार्यक्रम में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद जनपद शाखा हरिद्वार के अंतर्गत विभिन्न घटक संगठनों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे। इस दौरान कर्मचारियों ने अपनी वर्षों से लंबित मांगों को प्रमुखता से उठाते हुए सरकार से शीघ्र समाधान की मांग की। ज्ञापन में प्रमुख रूप से एसीपी की पूर्व व्यवस्था (10, 16 एवं 26 वर्ष) को पुनः लागू किए जाने, गोल्डन कार्ड योजना की विसंगतियों को दूर करने, पुरानी पेंशन योजना की बहाली, विभिन्न संवर्गों की वेतन विसंगतियों के निराकरण, आउटसोर्सिंग के माध्यम से नियोजित कार्मिकों की सेवाएं यथावत रखने, तथा राज्य कार्मिकों को केंद्र सरकार की भांति मकान किराया भत्ता प्रदान किए जाने सहित कुल 18 सूत्रीय मांगें शामिल रहीं। इस अवसर पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद जनपद शाखा हरिद्वार के अध्यक्ष अमरीश कुमार ने धरना प्रदर्शन में सहभागिता करने वाले सभी घटक संघों के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि परिषद कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करती रहेगी। वहीं जिला सचिव अंकुर चौहान ने 18 सूत्रीय मांगों की विस्तृत जानकारी देते हुए सरकार से शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई की अपेक्षा जताई।

मोबाइल फोन छीनने का विरोध करने पर की गई दिव्यांग ई रिक्शा चालक मनीष की हत्या

पथ प्रवाह, हरिद्वार। रानीपुर पुलिस ने एक ऐसी वारदात का पर्दाफाश किया है जिसने इंसानियत को झकझोर कर रख दिया है। महज एक मोबाइल छुपाने और पुलिस के डर से बचने के लिए दो दरिंदों ने एक दिव्यांग ई-रिक्शा चालक की गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है जबकि फरार दूसरे अभियुक्त को भी जल्द गिरफ्तार करने का दावा किया है।

घटना का खुलासा करते हुए एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने कोतवाली रानीपुर में प्रेसवार्ता में हत्याकांड से जुड़ी जानकारी और पुलिस कार्रवाई के बारे में बताया। पुलिस के मुताबिक बीती 04 फरवरी को कोतवाली रानीपुर में रामआसरे पुत्र नाथूराम निवासी मकान संख्या 114 विष्णुलोक कालोनी रानीपुर हरिद्वार द्वारा स्वयं के पुत्र मनीष उम्र 38 वर्ष जो कि पैरो से विकलांग है, के दिनांक 1 फरवरी से गुम होने के सम्बन्ध में गुमशुदगी दर्ज की गई। एसएसीपी ने बताया कि गुमशुदा की तलाश में जुटी पुलिस टीम के जाँच पड़ताल में एक बात सामने आई कि गुमशुदा मनीष का मोबाइल फोन पाँवधोई मोहल्ला ज्वालापुर का रहने वाले अयान उर्फ सुन्नत ने बैरियर नम्बर-05 के पास काल करने के लिये लिया था और फिर फोन लेकर भाग गया। उसके बाद उसने मोबाइल स्विच आफ कर दिया। पुलिस टीम द्वारा 6 फरवरी को बीएचईएल स्टेडियम से संदिग्ध अयान उर्फ सुन्नत को दबोचकर उसके कब्जे से गुमशुदा मनीष का मोबाइल फोन बरामद किया गया। पूछताछ में पुलिस को आरोपी अयान उर्फ सुन्नत ने बताया कि कुछ दिन पहले बिष्णुलोक कालोनी जाने वाले कच्चे रास्ते के पास से उसने गुमशुदा मनीष से कॉल करने के बहाने मोबाइल मांगा और अंधेरे का फ़ायदा उठा कर भाग गया। जिसके बाद मोबाइल स्विच ऑफ़ कर सिम तोड़ दिया। जब मृतक मनीष ने अयान उर्फ सुन्नत के घर जाकर शिकायत की और पुलिस में जाने की धमकी दी, तो अयान ने अपने साथी बिलाल (जो हाल ही में जेल से छूटा था) के साथ मिलकर खौफनाक साजिश रची। आरोपियों ने मृतक मनीष को शराब पीने के बहाने बीएचईएल के पास झाड़ियों में बुलाया जहाँ विवाद होने पर बिलाल ने मनीष को पकड़ा और अयान ने गला घोंटकर उसकी जान ले ली। साक्ष्य मिटाने के लिए शव को प्लास्टिक के कट्टे में भरकर सुपरवाइजर हॉस्टल के पास झाड़ियों में फेंक दिया और ई-रिक्शा लावारिस छोड़कर फरार हो गए। हत्यारोपी अयान उर्फ सुन्नत उपरोक्त को नियमानुसार हिरासत में लेकर उसकी निशांदेही पर मृतक मनीष का शव सुपरवाईजर हास्टल बीएचईएल के पास स्थित झाडियों से बरामद किया गया, पुलिस द्वारा गुमशुदगी को 103(1), 303(2), 238, 61(2) BNS में तरमीम कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस टीम में आशुतोष राणा, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रानीपुर, व0उ0नि0 नितिन चौहान, कोतवाली रानीपुर, उ0नि0 विकास रावत, चौकी प्रभारी गैस प्लान्ट कोतवाली रानीपुर, उ0नि0 मन्दीप सिंह, कोतवाली रानीपुर, का0 दीप गौड, कोतवाली रानीपुर, का0 सुमन डोभाल, कोतवाली रानीपुर, का0 रविन्द्र बिष्ट, कोतवाली रानीपुर, का0 अजीतराज, कोतवाली रानीपुर शामिल रहे।

श्यामपुर पुलिस ओर पॉक्सों समिति ने स्कूल में बच्चों को किया जागरूक

पथ प्रवाह, हरिद्वार। पुलिस आपके द्वार कार्यक्रम के तहत श्यामपुर पुलिस और पॉक्सो समिति द्वारा स्कूली बच्चों के बीच अवेयरनेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हरिद्वार के थाना श्यामपुर क्षेत्र अंतर्गत आदर्श इंटर कॉलेज में यह अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित किया गया।

श्यामपुर थाना का प्रतिनिधित्व करते हुए एसआई रचना पठानिया द्वारा गौरा शक्ति एप के प्रयोग, साइबर क्राइम हेल्पलाइन व महिला हेल्पलाइन नंबर 1090 की जानकारी उपलब्ध कराई गई।

आपातकालीन पुलिस मदद हेल्पलाइन नंबर 112 से कैसे प्राप्त हो सकती है इसकी जानकारी दी गई। जिला पॉक्सो समिति की सदस्य राखी सजवान द्वारा बालकों को पॉक्सो अधिनियम 2012, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, के विषय में जागरुक करते हुए बताया कि उनके परिवारों को विधिक सहायता कैसे उपलब्ध हो सकती है। विधिक हेल्पलाइन नंबर 15100, में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से सेवा प्राप्त करने हेतु पात्रता की जानकारी भी उपलब्ध कराई गई।

राज्य स्तरीय मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप ट्रॉफी खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ, खिलाड़ियों ने दिखायी प्रतिभा

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

खेल महाकुम्भ 2025-26 के तहत हरिद्वार में मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप ट्रॉफी 2025 की राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शनिवार को शुभारंभ हो गया। एथलेटिक्स एवं फुटबॉल खेलविधा का उद्घाटन योगस्थली खेल परिसर, रोशनाबाद में किया गया।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सेन्ट थोमस पब्लिक स्कूल, नवोदय नगर के प्रबंधक तनिष्क एवं प्रधानाचार्य बीता गर्ग उपस्थित रहीं। बीता गर्ग ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला तथा प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें अनुशासन, समर्पण एवं खेल भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। राज्य स्तरीय इस खेलकूद प्रतियोगिता में उत्तराखण्ड के समस्त जनपदों के संसदीय क्षेत्रों से आए अण्डर-14 एवं अण्डर-19 आयु वर्ग के बालक एवं बालिकाओं ने एथलेटिक्स एवं फुटबॉल प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। खिलाड़ियों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। एथलेटिक्स प्रतियोगिता में लंबी कूद (अंडर-19 बालिका) प्रथम स्थान प्रीति (पौड़ी गढ़वाल), द्वितीय पूजा (हरिद्वार) तथा तृतीय अंजलि (टिहरी गढ़वाल) ने प्राप्त किया। लंबी कूद (अंडर-19 बालक) प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रणव चौधरी (हरिद्वार), द्वितीय मो0 समीर (उधमसिंहनगर) तथा तृतीय कार्तिक (हरिद्वार) रहे। 100 मीटर दौड़ (अंडर-19 बालक) पंकज (देहरादून) प्रथम, अभय गढ़वाल (पौड़ी गढ़वाल) द्वितीय एवं कृष्णा कुमार (पिथौरागढ़) तृतीय स्थान पर रहे। 100 मीटर दौड़ (अंडर-19 बालिका) प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दीपश्री तोमर (देहरादून) ,द्वितीय स्थान हिमानी (हरिद्वार) तथा आकृति पाण्डेय (उधमसिंहनगर) तृतीय स्थान पर रहीं। 800 मीटर दौड़ (अंडर-19 बालक) प्रथम स्थान सुमन (देहरादून) , द्वितीय स्थान धीरज सिंह बिष्ट (उधमसिंहनगर) एवं हिमांशु कुमार (हरिद्वार) तृतीय स्थान पर रहे। 800 मीटर दौड़ (अंडर-19 बालिका) प्रथम स्थान कोमल बिष्ट (पिथौरागढ़) , द्वितीय स्थान मनीषा (हरिद्वार) तथा आस्था (चमोली) तृतीय पर रहीं। 400 मीटर दौड़ (अंडर-19 बालिका) प्रथम सृष्टि ठाकुर (देहरादून) ने, द्वितीय स्थान पिंकी (हरिद्वार) ने एवं निकिता (टिहरी गढ़वाल) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में जिला युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अधिकारी हरिद्वार प्रमोद चन्द्र पाण्डेय, जिला क्रीड़ा अधिकारी सबाली गुरूंग, उप क्रीड़ाधिकारी प्रदीप कुमार, प्रभारी जिला युवा कल्याण अधिकारी मुकेश कुमार भट्ट, क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अधिकारी पौड़ी गढ़वाल पूनम मिश्रा, क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अधिकारी रुड़की अनिल कुमार, बहादराबाद सोनू कुमार, भगवानपुर विक्रान्त चौधरी, नारसन संदीप खंकरियाल सहित सभी खेल प्रेमी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने बजट 2026-27 की गिनाई खूबियां, भारत के भविष्य का रोडमैप

पथ प्रवाह, हरिद्वार

हरिद्वार सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में प्रस्तुत किए गए वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट को देश को तेज आर्थिक विकास, क्षमता निर्माण और सबका साथ-सबका विकास की दिशा में आगे बढ़ाने वाला संतुलित, दूरदर्शी और भविष्यपरक बजट बताया है।

प्रेस क्लब हरिद्वार में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि यह बजट तीन प्रमुख कर्तव्यों–तेज आर्थिक विकास, मानव क्षमता निर्माण और समावेशी विकास पर आधारित है। बजट में विनिर्माण, इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, कर सुधार और निर्यात जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को नई गति देने के लिए कई ऐतिहासिक घोषणाएं की गई हैं। उन्होंने कहा कि बजट के माध्यम से देश का आर्थिक ढांचा मजबूत होगा और राजकोषीय अनुशासन स्थापित होगा। वित्त वर्ष 2026-27 में राजकोषीय घाटा जीडीपी के 4.3 प्रतिशत तक सीमित रखने का लक्ष्य, पूंजीगत व्यय में ऐतिहासिक बढ़ोतरी और ऋण-से-जीडीपी अनुपात में कमी, सरकार की आर्थिक प्रबंधन क्षमता को दर्शाती है।

विनिर्माण और 'मेक इन इंडिया' को मिलेगी नई रफ्तार

सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने बताया कि बायोफार्मा शक्ति योजना, सेमीकंडक्टर मिशन 2.0, इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा योजना, केमिकल पार्क और दुर्लभ खनिज गलियारों के माध्यम से मेक इन इंडिया को वैश्विक स्तर पर मजबूती मिलेगी। इससे रोजगार सृजन और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को गति मिलेगी।

टेक्सटाइल, खादी और ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय फाइबर नीति, मेगा टेक्सटाइल पार्क और महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल से खादी, हथकरघा और हस्तशिल्प को नई पहचान मिलेगी, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और बुनकरों को सीधा लाभ पहुंचेगा।

एमएसएमई, स्टार्टअप और छोटे उद्यमों पर विशेष फोकस

बजट में एमएसएमई सेक्टर को 'चैंपियन' बनाने के लिए एसएमई ग्रोथ फंड और आत्मनिर्भर भारत फंड को सशक्त किया गया है। टियर-2 और टियर-3 शहरों में प्रोफेशनल कैडर विकसित करने की योजना से स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी और हाई-स्पीड रेल

त्रिवेंद्र सिंह रावत ने बताया कि इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी के लिए सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। मुंबई-पुणे, दिल्ली-वाराणसी सहित 7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, राष्ट्रीय जलमार्ग, सी-प्लेन सेवा और तटीय कार्गो योजनाएं देश की लॉजिस्टिक्स क्षमता को सशक्त करेंगी।

शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास को नई मजबूती

बजट में स्वास्थ्य सेवाओं, मानसिक स्वास्थ्य, आयुष संस्थानों, कौशल विकास, खेल और पर्यटन के लिए ठोस प्रावधान किए गए हैं, जिससे युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे।

किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को संबल

उन्होंने कहा कि उच्च मूल्य कृषि, मत्स्य पालन, पशुपालन, नारियल संवर्धन योजना और पूर्वोत्तर के लिए विशेष कृषि प्रोत्साहन से किसानों की आय बढ़ेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

कर सुधार और करदाताओं को राहत

सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने बताया कि 1 अप्रैल 2026 से लागू होने वाला नया आयकर अधिनियम कर प्रणाली को सरल बनाएगा। टीडीएस-टीसीएस में सरलीकरण, संशोधित रिटर्न की समयसीमा में बढ़ोतरी और छोटे करदाताओं को राहत मिलने से ईज ऑफ लिविंग बेहतर होगी और कर विवादों में कमी आएगी।

उत्तराखंड को विशेष लाभ

सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि बजट में उत्तराखंड राज्य के लिए भी कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। केंद्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी बढ़ाकर 41 प्रतिशत। रेल बजट में उत्तराखंड के लिए 4800 करोड़ रुपये। सांस्कृतिक एवं एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा। 10 हजार ग्रामीण टूरिस्ट गाइड तैयार करने की योजना। क्लाइमेट चेंज से निपटने के लिए विशेष प्रावधान किया गया है। मनरेगा को लेकर पूछे गए सवाल पर सांसद ने स्पष्ट किया कि योजना को समाप्त नहीं किया गया है, केवल नाम और कुछ प्रावधान बदले गए हैं। अब ग्रामीणों को 125 दिन का रोजगार मिलेगा और 33 प्रतिशत महिलाओं को रोजगार देना अनिवार्य किया गया है। यूजीसी कानून पर उन्होंने कहा कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए इस पर टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। वहीं, संसद में विपक्ष के रवैये पर उन्होंने कहा कि संसद नियमों से चलती है, जिद से नहीं। मर्यादित विरोध लोकतंत्र की गरिमा बनाए रखता है।

प्रेस वार्ता में नगर विधायक मदन कौशिक, रानीपुर विधायक आदेश चौहान, मेयर किरण जैसल, भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष शर्मा, विकास तिवारी, लव शर्मा, धर्मेंद्र चौहान, हीरा सिंह, विनोद कुमार बिष्ट सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक नजर

सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने में सभी की सहभागिता जरूरी: मृदुल कौशिक

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मेगा सफाई अभियान के तहत न्यू चंद्राचार्य चौक व्यापार मंडल के अध्यक्ष मृदुल कौशिक के नेतृत्व में व्यापारियों ने भगत सिंह चौक के आसपास स्वच्छता अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश दिया। जीएसएटी असिस्टेंट कमिश्नर सुनीत श्रीवास्तव भी व्यापारियों के साथ सफाई अभियान में शामिल हुए।

व्यापार मंडल अध्यक्ष मृदुल कौशिक ने कहा कि स्वच्छता जीवन का हिस्सा है। शहर को गंदगी मुक्त करने और सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सभी को सहभागिता करनी चाहिए। उन्होंने व्यापारियों से अपील करते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं जिला अधिकारी मयूर दीक्षित के स्वच्छता अभियान को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहना है तो गंदगी को भगाना है। कूड़ा करकट, अपशिष्ट पदार्थ इधर-उधर ना फेंकें। नियत स्थान पर ही कूड़ा डालें। सुनील गुलाटी एवं अनूप सिंह सिद्धू ने कहा कि स्वच्छता जीवनचर्या का अभिन्न अंग हे। सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने में मिलकर सहयोग करें। अन्य लोगों को भी सफाई के प्रति प्रेरित करें। इस दौरान पराग चाकलान, सुरेश सिंह, प्रेम थापा, पवन दवे, हिमांशु सैनी, राजेश कुमार, ब्रजराज खरे, सचिन गुप्ता आदि व्यापारी प्रमुख रूप से शामिल रहे।

महा मेगा स्वच्छता अभियान में शामिल हुए लोगों का मुख्यमंत्री ने जताया आभार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपद हरिद्वार में शनिवार को चलाए गए महा मेगा स्वच्छता अभियान में शामिल हुए सभी लोगों का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि तीर्थ नगरी हरिद्वार को साफ स्वच्छ बनाने के लिए आज चलाए गए स्वच्छता अभियान में गणमान्य व्यक्तियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं, स्वयं सेवी संस्थाओं, व्यापार मंडल, सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों एवं जनपद वासियों ने बढ़ चढ़कर कर भागेदारी की है, इसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने सभी से अपेक्षा की है कि यह अभियान एक दिन का न हो एवं समय समय पर ऐसे स्वच्छता अभियान चलायें जाते रहे, जिससे कि तीर्थ नगरी हरिद्वार को साफ स्वच्छ एवं सुंदर शहर बनाया जा सके तथा हरिद्वार में आने वाले श्रद्धालुओं को साफ स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हो तथा जब वह अपने गंतव्य को लौटे तों अपने साथ सुखद अनुभव लेकर जाएं।

मेयर किरण जैसल की एक साल की उपलब्धियों पर भाजपा का अभिनंदन समारोह

पथ प्रवाह, हरिद्वार

हरिद्वार नगर निगम की मेयर किरण जैसल के सफल एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी की ओर से रविवार को ऋषिकुल ऑडिटोरियम में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी प्रैस क्लब हरिद्वार में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान भाजपा प्रदेश सहसंयोजक एवं मीडिया प्रभारी विकास तिवारी ने दी।

विकास तिवारी ने बताया कि सम्मान समारोह में हरिद्वार सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वहीं हरिद्वार विधायक मदन कौशिक एवं रानीपुर विधायक आदेश चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। समारोह के दौरान मेयर किरण जैसल सहित नगर निगम के सभी भाजपा पार्षदों का अभिनंदन किया जाएगा। साथ ही बीते एक वर्ष में नगर निगम द्वारा कराए गए 35 प्रमुख विकास कार्यों पर आधारित पुस्तिका का पत्रकारों के माध्यम से विमोचन भी किया जाएगा।

प्रदेश सहसंयोजक मीडिया प्रभारी विकास तिवारी ने कहा कि मेयर किरण जैसल का एक वर्ष का कार्यकाल उपलब्धियों से परिपूर्ण रहा है। भूमि खरीद प्रकरण में अनियमितताएं सामने आने पर नगर निगम द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही का उदाहरण प्रस्तुत हुआ। जगजीतपुर स्थित मेडिकल कॉलेज में शीघ्र ही जांच, भर्ती एवं उपचार की समस्त सुविधाएं प्रारंभ की जाएंगी। उन्होंने बताया कि हरि लोक तिराहा पर फ्लाईओवर के विस्तारीकरण का कार्य तेजी से प्रगति पर है। खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इंडोर एवं आउटडोर स्टेडियम का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शहर की पार्किंग समस्या के समाधान हेतु नई पार्किंग विकसित की गई है तथा अतिरिक्त पार्किंग स्थलों पर कार्य जारी है। जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए भगत सिंह चौक क्षेत्र में ?48 करोड़ की परियोजनाएं तथा ज्वालापुर एवं कनखल क्षेत्र में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए ?500 करोड़ की परियोजनाएं सिंचाई विभाग के सहयोग से तैयार की गई हैं, जिन्हें शासन स्तर पर अंतिम स्वीकृति मिलने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

निराश्रित गोवंश की देखभाल के लिए नगर निगम द्वारा 300 गोवंश क्षमता वाली गौदान नंदीशाला का निर्माण कराया गया है। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए नगर निगम शीघ्र ही पर्यावरण-अनुकूल गोल्फ कार्ट सेवा प्रारंभ करेगा। बस्तियों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए वर्तमान में 10 आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित किए जा रहे हैं। इसके अलावा 25 पार्कों के सौंदर्यीकरण का कार्य प्रगति पर है।

डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण एवं स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 30 नए कूड़ा वाहनों को नगर निगम के बेड़े में शामिल किया गया है। नगर निगम क्षेत्र से मांस की दुकानों को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया भी लगातार आगे बढ़ रही है।

पत्रकार वार्ता के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष विपिन शर्मा, अनुज त्यागी, हीरा सिंह बिष्ट, अनिल पुरी सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नारायणी शिला मार्ग पर गड्ढा मामला : नगर निगम ने जल संस्थान को थमाया नोटिस

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

नारायणी शिला मार्ग पर सड़क में गड्ढा बनने के मामले को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम, हरिद्वार ने जल संस्थान, हरिद्वार को नोटिस जारी किया है। नगर निगम का कहना है कि बीते दिनों जल संस्थान द्वारा अपने विभागीय कार्य के अंतर्गत सड़क किनारे मरम्मत कार्य कराया गया था, जिसके बाद उसी स्थान पर सड़क में गड्ढा बन गया।

नगर निगम के अनुसार, हाल ही में उक्त स्थान पर सड़क क्षतिग्रस्त होने से आम नागरिकों के जान-माल को नुकसान पहुंचने की आशंका बनी हुई थी। हैरानी की बात यह रही कि जल संस्थान द्वारा यह कार्य नगर निगम को बिना किसी पूर्व सूचना अथवा अनुमति के कराया गया।

नगर निगम द्वारा जारी नोटिस में जल संस्थान को निर्देशित किया गया है कि संबंधित स्थल पर तत्काल प्रभाव से समुचित मरम्मत कार्य कराया जाए, जिससे भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना समाप्त हो सके। साथ ही नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत जल संस्थान द्वारा यदि किसी भी प्रकार का मरम्मत या अन्य विभागीय कार्य कराया जाता है, तो उससे पूर्व नगर निगम को अवगत कराना एवं आवश्यक अनुमति लेना अनिवार्य होगा। बिना पूर्व सूचना किए गए कार्यों से उत्पन्न होने वाली किसी भी अप्रिय घटना की पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।

नगर निगम ने दो टूक कहा है कि शहर की सड़कों की सुरक्षा एवं आम नागरिकों की जान-माल की रक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस प्रकार की लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संपादकीय

शिक्षा में डिजिटल समानता की ओर निर्णायक कदम

उत्तराखंड में शिक्षा के आधुनिकीकरण की दिशा में जिला प्रशासन देहरादून द्वारा उठाया गया यह कदम निस्संदेह ऐतिहासिक और दूरदर्शी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में तथा जिलाधिकारी सविन बंसल के व्यक्तिगत नेतृत्व में शुरू की गई यह पहल केवल तकनीकी उपकरणों की स्थापना भर नहीं है, बल्कि यह सरकारी शिक्षा व्यवस्था को 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप ढालने का सशक्त प्रयास है।

जनपद देहरादून के 168 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में 3.67 करोड़ रुपये की लागत से 884 स्मार्ट टीवी की स्थापना, सरकारी स्कूलों को डिजिटल युग से जोड़ने की ठोस शुरुआत है। वर्षों से निजी और सरकारी विद्यालयों के बीच जो डिजिटल खाई बनी हुई थी, उसे पाटने की दिशा में यह कदम मील का पत्थर साबित होगा। अब सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी भी वही डिजिटल संसाधन, ई-लर्निंग मॉड्यूल, शैक्षिक वीडियो और इंटरएक्टिव कंटेंट प्राप्त कर सकेंगे, जो अब तक सीमित रूप से निजी संस्थानों तक ही सुलभ थे।

इस पहल की सबसे बड़ी विशेषता इसकी समानता और समावेशन की सोच है। जिले के सभी छह विकासखंडों के विद्यालयों को इसमें शामिल किया गया है, जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच तकनीकी असमानता कम होगी। कक्षा-कक्षों के आकार और छात्र संख्या के अनुसार 43 इंच और 55 इंच के स्मार्ट टीवी का चयन यह दर्शाता है कि योजना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि व्यावहारिक जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाई गई है।

जैम पोर्टल के माध्यम से ई-टेंडर प्रक्रिया अपनाकर पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित की गई, जो सुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण है। विभिन्न विभागों के तकनीकी और वित्तीय विशेषज्ञों को शामिल कर निविदा प्रक्रिया का निष्पक्ष मूल्यांकन किया जाना प्रशासनिक विश्वसनीयता को और मजबूत करता है। इसके साथ ही, पूर्व में 5 करोड़ रुपये के सीएसआर फंड से सभी सरकारी विद्यालयों को फर्नीचरयुक्त किया जाना यह स्पष्ट करता है कि प्रशासन समग्र शैक्षिक वातावरण के विकास के प्रति गंभीर है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप तकनीक-सक्षम शिक्षण व्यवस्था विकसित करना आज समय की मांग है। स्मार्ट टीवी के माध्यम से दिक्षा पोर्टल, पीएम ई-विद्या और वर्चुअल कक्षाओं का उपयोग छात्रों की अवधारणात्मक समझ और सीखने की रुचि को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। इससे न केवल शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि विद्यार्थियों का आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता भी बढ़ेगी।

कुल मिलाकर, देहरादून जिला प्रशासन की यह पहल शिक्षा को सामाजिक समानता, तकनीकी सशक्तिकरण और भविष्य निर्माण का सशक्त माध्यम बनाती है। यदि इसका प्रभावी क्रियान्वयन समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किया गया, तो यह मॉडल पूरे राज्य ही नहीं, बल्कि देश के अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बन सकता है।

कलयुगी रिश्ते की डोर कमजोर क्यों?

संजय गोस्वामी

कलयुगी रिश्ते की डोर कमजोर क्यों है क्योंकि आज के युग में रिश्ता पल पल बदल रहें है क्योंकि मन बहुत चंचल होता है और किसी का स्वभाव बदलता नहीं है अतः यदि रामचरितमानस का अध्ययन करना चाहिए रामचरितमानस के उत्तर कांड के कई दोहों में कहा गया हैः वह माया जो पूरे संसार को नचाती है, जिसका चरित्र (काम) कोई नहीं समझ पाया है। यानी, माया पूरे संसार को नचाती है, और कोई भी उसके स्वभाव (कामों) को नहीं समझ पाया है, और माया कई गुण और दोष बनाती है और यह पूरे संसार में फैली हुई है। माया कई गुण और दोष, मोह, काम, अज्ञान आदि बनाती है, जो पूरी दुनिया में फैले हुए हैं। भगवान राम स्वयं कहते हैं, हे प्रिय! माया ने कई गुण और दोष बनाए हैं। उनका कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है। उन्हें अलग-अलग न समझना ही ज्ञान है; उन्हें ऐसा देखना अज्ञान है। ज़ सुनो, प्रिय, माया कई गुण और दोष बनाती है। गुण यह है कि इन दोनों में से किसी को भी न देखा जाए; उन्हें देखना अज्ञान है। (उत्तर कांड, 41) ज़ माया द्वारा बनाए गए गुणों और दोषों में काम, मोह, आसक्ति, अज्ञान आदि शामिल हैं। माया कई गुण और दोष बनाती है। मोह, काम, और ऐसी ही अन्य चीजें। (उत्तर कांड, 56.2) भगवान राम कहते हैं, यह पूरा संसार मेरी माया द्वारा बनाया गया है (मेरी माया से उत्पन्न संसार)। (उत्तर कांड, 85.2) भगवान श्री कृष्ण गीता में कहते हैंः दैवी ह्येषा गुणमयी मम माया दुरत्यया (मेरी यह दिव्य, गुणों से भरी माया पार करना कठिन है, यानी इसे पार करना बहुत मुश्किल है)। यहाँ, एक बात ध्यान देने योग्य है कि भगवान ने माया को मम माया कहा है, जिसका अर्थ है कि माया भगवान की है। हालाँकि, जो लोग इसे स्वतंत्र अस्तित्व वाला मानते हैं, उनके लिए माया पर विजय पाना आसान है। भगवान स्वयं माया पर विजय पाने का तरीका बताते हैंः मामेव ये प्रपद्यन्ते मायामेतां तरन्ति ते (जो लोग लगातार मेरी पूजा करते हैं, वे इस माया को पार कर जाते हैं)। इसका मतलब है कि भगवान के प्रति समर्पण ही माया पर विजय पाने का एकमात्र तरीका है। रामचरितमानस में, श्री काकभुशुंडि पक्षियों के राजा गरुड़ से कहते हैं, हरि माया कर अमित प्रभावा। विपुल बार जेहि मोहि नचावा। (हरि की माया में अपार शक्ति है, जिसने हमें कई बार नचाया और भ्रमित किया है)। फिर वे कहते हैं, हे पक्षियों के राजा, गरुड़! वही माया, भगवान श्री रामचंद्र की भौंह के इशारे मात्र से, अपने दल (परिवार) के साथ एक अभिनेत्री की तरह नाचती है। ज़ सोई प्रभु भ्रूबिलास खगराजा। नाच नटी इव सहित समाजा॥1॥ (उत्तरकाण्ड 71/1) फिर वे कहते हैं, हे पक्षियों के राजा! इसी प्रकार, श्री हरि की पूजा के बिना जीवों का दुख समाप्त नहीं होता। अज्ञान श्री हरि के सेवक को प्रभावित नहीं करता, और भगवान की प्रेरणा से वह ज्ञान प्राप्त करता है। ज़ ऐसेहि हरि बिनु भजन खगेसा। मिटहिं जीवन्ह के कलेसा॥ हरि सेवकहि न माया अपार है। यह माया भगवान से प्रेरित है। (उत्तरकाण्ड 78.1) भगवान की भक्ति के बिना, यह लाखों प्रयासों से भी दूर नहीं होती (लाखों उपायों से भी दूर नहीं होती)। अंत में, काकभुशुंडि जी अपना अनुभव सुनाते हैं, हे गरुड़ जी, हरि की भक्ति के बिना दुख समाप्त नहीं होता (अब मैं आपको अपना अनुभव बताता हूँ। हरि की भक्ति के बिना दुख दूर नहीं होता)। उपरोक्त चर्चा से दो बातें बिल्कुल स्पष्ट हैंः 1) यह माया भगवान की है और सभी जीवों को भ्रमित रखती है, और उनमें कई प्रकार के गुण और दोष पैदा करती है। 2) भगवान राम की शरण लिए बिना इस माया पर विजय पाना असंभव है। इसलिए, भगवान की भक्ति बहुत महत्वपूर्ण है।भगवान राम का ध्यान करना मुश्किल जरूर होगा लेकिन यदि मिला तो एक आंनद का अनुभूति होती है अच्छा सोच और डर आपके मन से जाता है इसलिए यदि भगवान राम के चरण को पकड़ लिया तो जीवन सफल हो जायेगा और सही और गलत का फर्क दिखेगा, आप मस्त रहोगे यदि जाने अनजाने में आपके गलती से माता पिता को क़ोई चोट पहुंचा है तो वो आपके परमात्मा जो परमपिता है उससे क्षमा माँग लें अवश्य हीं अच्छा होगा भगवान राम के चरणों में झुकना मतलब मौत को भी मात देना होता है इसके दो उदाहरण हैं जैसे अहिल्या जो श्राप से पत्थर बनी और एक बार जब शरीर नष्ट हुआ तो दोबारा उसी रूप में बापस नहीं आता है लेकिन भगवान राम के चरणों में झुकी अहिल्या पुनः जीवित हो गई इसी तरह एक और उदाहरण है जब भगवान राम ने बाली को मारा था वो छल जरूर था क्योंकि बाली को यह वरदान मिला था की क़ोई भी उससे युद्ध करेगा तो उसकी शक्ति आधी हो जाएगी लेकिन बाली को भगवान राम ने साल के वृक्ष के पीछे जो सात साल के वृक्ष थे , जिन्हें एक-एक कर के वाली , एक ही तीर से आर-पार बींध देता था। और जिन सातों साल के वृक्षों को राम ने एक साथ , एक ही बाण से आर-पार बींध दिया था ।उसके बाद उनका वही बाण , पृथ्वी को फोड़ कर वापिस लौटा ,और राम के तरकस में समा गया था। यह काम बाण ने एक ही मुहूर्त में (लगभग 45 मिनिट) कर दिखाया। राम जी का यही पराक्रम देख कर , सुग्रीव को भरोसा हो गया कि राम , वाली को मार सकेंगे।अतः जब दोनों भाई युद्ध के लिए आए तो भगवान राम ने पहले वाण नहीं चलाया क्योंकि वो जानना चाहते थे सही या गलत कौन है अंततः दूसरे दिन जब सुग्रीव ने बाली को युद्ध के लिए ललकारा तो दोनों में सुग्रीव को माला इसलिए नहीं पहनाया कि दोनों को पहचानते नहीं थे इसलिए पहनाया की तुम विजय होगे और बाली को भगवान राम ने बाण से छुपकर मारा बाली के ह्दय में जब तीर लगा हुआ था। जब वह मरने की स्थिति में था तब बाली ने कुछ प्रश्न भगवान से पूछे कहा प्रभु आपने मुझे क्यों मारा। किसी राजा को तपस्या के लिए मेरी छाल किसी काम की नहीं आएगी क्योंकि बंदरों को तो दूषित माना जाता है, और मेरा मांस भी किसी काम का नहीं है। क्योंकि यह खाने के काम नहीं आता। आपने मेरे से सामने आकर युद्ध क्यों नहीं किया। आपने यह कायरता का काम क्यों किया तब भगवान राम ने उसे आशा दिलाया की ऐ ऐसी बाण है जो निकाल दूंगा तो पुनः जीवन मिल जायेगा तब बाली भगवान राम को ईश्वर के रूप में देखा और उसने कहा यदि मैं जीवित रहा तो भोग विलास में लिप्त हो जाऊंगा और अन्त में उसे कष्ट के रूप में भोगना पड़ेगा अतः भगवान राम ने बाली को मोक्ष दिया ऐ जीवन और मरन का अंतर आम आदमी को सही लगता है और विलाप करता है लेकिन सिद्ध या तत्वदर्शी संत को यह मालूम हीं नहीं होता है कि मैं मरा या जिन्दा हो क्योंकि वो तो राम नाम की माया में खोया रहता है अतः आप मत नाचो एक अच्छा इंसान बनो माँ बाप की सेवा करो क्योंकि ऐ तुम्हारा कर्तव्य है।

प्राकृतिक असंतुलन से आ रहे लगातार भूकंप और तीव्र तूफान?

डॉ हिदायत अहमद खान

मानव समाज ने विकास के नाम पर जिस क्रूरता से प्रकृति-प्रदत्त हरे-भरे जंगलों और पर्वत श्रंखलाओं को नष्ट किया है उसके अब दूष्परिणाम सामने आने लगे हैं। मानव ने जंगलों को खत्म कर कंक्रीट के जंगल खड़े किए, बहुतायत में पहाड़ों को समतल किया गया और भूमिगत जल के साथ ही तमाम तरह की खनिज संपदा निकालकर पृथ्वी को अंदर से भी खोखला कर दिया। ये वो प्राकृतिक चीजें हैं जो पृथ्वी के संतुलन को बनाए रखती हैं, जब यही असंतुलित हो गईं तो फिर प्रकृति खुद अपना संतुलन तो बनाएगी ही। इसलिए पिछले कुछ वर्षों में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से लगातार भूकंप के झटकों, तीव्र तूफानों, भीषण बारिश, बाढ़ और सुप्त ज्वालामुखियों के सक्रिय होने की खबरें सामने आ रही हैं। इन घटनाओं को केवल संयोग नहीं कह सकते हैं। दरअसल ये पृथ्वी की भूगर्भीय गतिविधियों और तेजी से बिगड़ते प्राकृतिक संतुलन की ओर इशारा कर रही हैं। प्रकृति मानो यह संकेत दे रही है कि वह अपने भीतर जमा दबाव को बाहर निकालने की प्रक्रिया में है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में टेक्टोनिक प्लेटों की हलचल और जलवायु परिवर्तन से जोड़कर देखा जाता है। भूगाल की भाषा में कहें तो भूकंप पृथ्वी की आंतरिक प्लेटों के आपसी टकराव, खिसकने या टूटने का परिणाम होते हैं। प्रशांत महासागर का 'रिंग ऑफ फायर' क्षेत्र इसका प्रमुख उदाहरण है, जहां दुनिया के लगभग 90 प्रतिशत भूकंप आते हैं और कई ज्वालामुखी सक्रिय रहते हैं। यह क्षेत्र लंबे समय से भूगर्भीय रूप से संवेदनशील रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में इसकी गतिविधियों में तेजी आई है। इसके साथ ही, यूरोप, एशिया और अमेरिका जैसे क्षेत्रों में भी असामान्य भूकंपीय गतिविधियां देखी जा रही हैं, जो पृथ्वी के भीतर बढ़ते असंतुलन का संकेत मानी जा सकती हैं। दूसरी ओर, मौसम संबंधी आपदाएं भी इसी कड़ी का हिस्सा हैं। हाल ही में यूरोप के इबेरियन प्रायद्वीप पर स्टॉर्म लियोनार्डो ने भारी तबाही मचाई। स्पेन और पुर्तगाल में मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं के कारण नदियां उफान पर आ गईं, बाढ़ जैसे हालात बने और हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। अकेले स्पेन के अंडालूसिया क्षेत्र में 11 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, जबकि पुर्तगाल के कई शहरों में आपातकाल लागू करना पड़ा। स्थिति की गंभीरता इस बात से समझी जा सकती है कि लियोनार्डो के गुजरने के बाद भी खतरा टला नहीं है। मौसम विभाग चेतावनी दे चुका है कि मार्ता तूफान तट से टकरा सकता है, जिसकी रफ्तार 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है। लगातार बारिश के कारण जमीन पहले ही पानी से संतृप्त हो चुकी है और अब उसमें और पानी समाने की क्षमता नहीं बची है। इसका सीधा असर नदियों के जलस्तर, बांधों और जलाशयों पर पड़ रहा है, जिससे बड़े पैमाने पर बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। अंडालूसिया के कोर्डोबा प्रांत में ग्वाडलक्विविर नदी का जलस्तर खतरनाक स्तर तक पहुंच गया, जिसके चलते रिहायशी इलाकों को खाली कराना पड़ा और ऐतिहासिक रोमन ब्रिज पर आवाजाही रोक दी गई। ग्रहजालेमा पर्वतीय क्षेत्र में तो हालात और भी चिंताजनक हैं, जहां चट्टानें अत्याधिक पानी सोखने पर घुलने लग जाती हैं।

इससे जमीन धंसने का खतरा पैदा हो जाता है, जिससे मकानों और सड़कों की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन जाता है। पुर्तगाल में भी हालात अलग नहीं हैं। साडो नदी के किनारे स्थित अल्कासेर शहर का बड़ा हिस्सा कई दिनों से पानी में डूबा हुआ है। बताया जा रहा, कि लोगों के पास पहनने के कपड़ों के अलावा कुछ नहीं बचा और हजारों नागरिकों को तत्काल सहायता की जरूरत है।

स्क्रीन में सिमटती दुनिया और कमजोर होती बचपन की नजर

कांतिलाल मांडोतल

कभी बेंगलूरू जैसे शहरों में सुबह की शुरुआत खुली हवा, पेड़ों की हरियाली और दूर तक फैले मैदानों को निहारते हुए होती थी। आंखें सहज रूप से दूर तक देख लेती थीं, नजरें बिना किसी दबाव के काम करती थीं। लेकिन बीते एक दशक में यह दृश्य तेजी से बदला है। अब बच्चों और किशोरों की दुनिया कुछ इंच की स्क्रीन में सिमट गई है। मोबाइल, टैबलेट और लैपटॉप ने ज्ञान, मनोरंजन और संवाद को बेहद आसान बना दिया है, लेकिन इसी सुविधा की कीमत हमारी आंखें चुका रही हैं। आंखें, जो प्रकृति के हिसाब से दूर देखने और खुले वातावरण में काम करने के लिए बनी हैं, अब लगातार पास की चीजों पर टिके रहने को मजबूर हैं। इसका असर यह हुआ है कि कम उम्र में ही नजर से जुड़ी समस्याएं, खासकर मायोपिया यानी निकट दृष्टि दोष, तेजी से बढ़ रहा है।

नेत्र रोग विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल एक व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक उभरता हुआ सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है। अत्यधिक स्क्रीन टाइम, शारीरिक सक्रियता की कमी और असंतुलित जीवनशैली ने मिलकर बच्चों की आंखों पर ऐसा दबाव डाला है, जिसकी भरपाई आगे चलकर बेहद मुश्किल हो सकती है। हाल के स्वास्थ्य कार्यक्रमों और अध्ययनों में लाखों बच्चों की जांच के दौरान यह सामने आया है कि दृष्टि संबंधी समस्याएं अब अपवाद नहीं रहीं, बल्कि सामान्य होती जा रही हैं। यह स्थिति इसलिए और चिंताजनक है क्योंकि बच्चों की आंखें अभी विकास की अवस्था में होती हैं और इस दौरान पड़ने वाला नकारात्मक प्रभाव जीवनभर साथ रह सकता है।

मायोपिया की समस्या को समझना जरूरी है। जब बच्चा लगातार पास की चीजों, जैसे मोबाइल स्क्रीन या किताब, पर ध्यान केंद्रित करता है तो आंखों की मांसपेशियां उसी स्थिति में ढलने लगती हैं। धीरे-धीरे आंख की संरचना में बदलाव आने लगता है और दूर की वस्तुएं धुंधली दिखाई देने लगती हैं। शुरुआत में यह समस्या हल्की होती है, लेकिन समय के साथ चश्मे का नंबर बढ़ता चला जाता है। कई मामलों में किशोरावस्था तक पहुंचते-पहुंचते बच्चों को मोटे लेंस लगाने पड़ते हैं। यह केवल देखने की समस्या नहीं है, बल्कि सिरदर्द, आंखों में जलन, थकान और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई जैसी परेशानियां भी साथ आती हैं।

स्क्रीन की लत का एक और गंभीर पहलू ड्राई आई सिंड्रोम है, जो पहले वयस्कों में ज्यादा देखा जाता था, लेकिन अब बच्चों में भी आम हो रहा है। जब हम स्क्रीन देखते हैं तो सामान्य से कम पलक झपकाते हैं। इससे आंखों की सतह सूखने लगती है, जलन और लालिमा बढ़ती है। लंबे समय तक ऐसा रहने पर आंखों की प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली कमजोर पड़ सकती है। इसके अलावा, नीली रोशनी का अत्यधिक संपर्क आंखों की रेटिना पर भी नकारात्मक असर डाल सकता है, जिससे भविष्य में गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

इस पूरी तस्वीर में सबसे ज्यादा चिंता की बात शिशुओं और छोटे बच्चों को मोबाइल और टीवी दिखाने की बढ़ती प्रवृत्ति है। कई अभिभावक बच्चे को शांत रखने या व्यस्त रखने के लिए स्क्रीन का सहारा लेते हैं। लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि यह आदत बच्चों के मानसिक, भावनात्मक और दृष्टि विकास तीनों पर नकारात्मक असर डाल सकती है। शुरुआती वर्षों में बच्चे की आंखें और मस्तिष्क तेजी से विकसित होते हैं। इस दौरान स्क्रीन पर निर्भरता उनके प्राकृतिक सीखने की प्रक्रिया को बाधित करती है। आंखें गहराई, दूरी और गति को पहचानने का अभ्यास नहीं कर पातीं, जो आगे चलकर देखने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है।

प्राकृतिक रोशनी की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कई अध्ययनों में यह साफ तौर पर सामने आया है कि जो बच्चे रोजाना पर्याप्त समय बाहर धूप में बिताते हैं, उनमें मायोपिया का जोखिम कम होता है। धूप में रहने से शरीर में विटामिन-डी का स्तर बेहतर होता है और आंखों में डोपामाइन का स्त्राव बढ़ता है, जो आंख की लंबाई को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके विपरीत, बंद कमरों में सीमित रहना और ज्यादातर समय स्क्रीन के सामने बिताना आंखों को उनके प्राकृतिक वातावरण से दूर कर देता है। आज का शहरी जीवन बच्चों को खुले में खेलने से भी वंचित कर रहा है। पढ़ाई का दबाव, सुरक्षा की चिंता और डिजिटल मनोरंजन की उपलब्धता ने खेल के मैदानों को खाली कर दिया है। नतीजा यह है कि बच्चे न सिर्फ शारीरिक रूप से कम सक्रिय हो रहे हैं, बल्कि उनकी आंखों को भी वह राहत नहीं मिल पा रही, जिसकी उन्हें जरूरत है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने ग्रामीण क्रिकेट टूर्नामेंट में खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

पथ प्रवाह, खटीमा

बिरिया मझोला, खटीमा में आयोजित स्वर्गीय मनीष चंद स्मृति द्वितीय ग्रामीण क्रिकेट टूर्नामेंट-2026 का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग कर खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित किए।

टूर्नामेंट में कुल 16 टीमों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबला नगला तराई (खटीमा) एवं उजालिकोट (टनकपुर) के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नगला तराई की टीम ने 108 रन का लक्ष्य रखा, जिसे उजालिकोट की टीम ने 3 विकेट शेष रहते हुए हासिल कर खिताब अपने नाम किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें शुभकामनाएं दीं तथा स्वयं भी क्रिकेट खेलकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने स्वर्गीय मनीष चंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम द्वारा विश्व कप जीतना पूरे देश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने खिलाड़ियों से लक्ष्य निर्धारित कर अनुशासन एवं संकल्प के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं रह गया है, बल्कि इसमें कैरियर की असीम संभावनाएं हैं। खेल शरीर और मन-मस्तिष्क को स्वस्थ रखते हैं तथा अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई खेलो इंडिया और फिट इंडिया योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं से देश में खेलों का ढांचागत विकास हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड के खिलाड़ियों द्वारा 103 पदक जीतना राज्य के लिए गर्व की बात है और देवभूमि उत्तराखंड अब खेलभूमि बनती जा रही है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, मेयर विकास शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष खटीमा रमेश चंद्र जोशी, दर्जा मंत्री अनिल कपूर डब्बू, स्वर्गीय मनीष चंद की माता हरिकेश चंद, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा, पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर, सहित जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, टूर्नामेंट कमेटी के सदस्य एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

एक नजर

जियारत के लिए आयी मेरठ की महिला से रुड़की में दुष्कर्म

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपद हरिद्वार के रुड़की क्षेत्र में यूपी की एक महिला के साथ दो दोस्तों द्वारा नशीला पदार्थ खिलाकर सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर आरोपियो की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक पीड़ित महिला ने रुड़की की सिविल लाइन कोतवाली में तहरीर देते हुए बताया कि वो यूपी के मेरठ जिले की रहने वाली है, वो बीती तीन फरवरी को मेरठ से पिरान कलियर में जियारत के लिए आई थी। पीड़ित महिला का आरोप है कि इस दौरान उसकी मुलाकात जौरासी गांव निवासी एक युवक के साथ हुई थी। आरोप है कि उस युवक ने उसे अपनी बातों में लेकर नशीला पदार्थ खिला दिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। इसके बाद वह उसे अपने साथ जौरासी गांव स्थित घर ले गया। पीड़िता का आरोप है कि वहां पर पहले से उसका एक दोस्त भी मौजूद था। दोनों युवकों ने मिलकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने उसकी अश्लील वीडियो भी बनाई और उसे धमकाया भी। पीड़िता ने इस पूरी साजिश में पिरान कलियर की एक महिला के भी शामिल होने का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि वह होश में आने के बाद किसी तरह से पुलिस के पास पहुंची। सिविल लाइन कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप बिष्ट का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की गंभीरता से जांच पड़ताल की जा रही है। जांच के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर फिल्म 'गोदान' उत्तराखंड में टैक्स फ्री

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर किसान परंपरा, ग्रामीण जीवन और गोवंश के महत्व पर आधारित फिल्म 'गोदान' को उत्तराखंड राज्य में टैक्स फ्री कर दिया गया है। इस संबंध में शासन द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है, जिसके साथ ही यह निर्णय प्रदेशभर में तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। फिल्म 'गोदान' 6 फरवरी 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। यह फिल्म भारतीय संस्कृति, ग्रामीण परिवेश और किसान जीवन की संवेदनशील झलक प्रस्तुत करते हुए समाज को अपनी जड़ों, परंपराओं और मूल्यों से जोड़ने का सशक्त संदेश देती है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि गाय केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति, समाज और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की फिल्में समाज में सकारात्मक सोच, संवेदनशीलता और सांस्कृतिक चेतना को बढ़ावा देती हैं, इसलिए ऐसे रचनात्मक प्रयासों को प्रोत्साहन दिया जाना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार गोवंश संरक्षण को लेकर निरंतर प्रयासरत है। प्रदेश में गोसदनों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि निराश्रित और बेसहारा गोवंश की समुचित देखभाल सुनिश्चित की जा सके। इसके साथ ही गोपालकों और पशुपालकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित किया जा रहा है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि उत्तराखंड सरकार सामाजिक, सांस्कृतिक और जनहित से जुड़े विषयों पर आधारित फिल्मों, साहित्य और अन्य रचनात्मक प्रयासों को भविष्य में भी निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन देती रहेगी।

कनखल में किशोर की निर्मम हत्या से सनसनी, झाड़ियों में मिला शव

पथ प्रवाह, हरिद्वार। कनखल थाना क्षेत्र में दक्ष मंदिर के पीछे झाड़ियों में शनिवार देर शाम एक 15 वर्षीय किशोर का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। प्रारंभिक जांच में किशोर की हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। मृतक की पहचान कुनाल (15 वर्ष) पुत्र रोहतास, निवासी रायघटी, लक्सर कोतवाली क्षेत्र के रूप में हुई है। बताया गया कि रोहतास का परिवार पिछले काफी समय से कनखल क्षेत्र में किराए के मकान में रह रहा था। कुणाल सिंह द्वार क्षेत्र में कढ़ी-चावल की ठेली पर काम करता था। वह शुक्रवार शाम से लापता था, जिसके बाद परिजन उसकी तलाश में जुटे हुए थे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया। शनिवार देर शाम दक्ष मंदिर के पीछे स्थित श्री यंत्र मंदिर के पास झाड़ियों में एक किशोर का शव पड़ा होने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान कुणाल के रूप में कराई। पुलिस के अनुसार मृतक के सिर पर किसी भारी वस्तु से वार किया गया है, जिससे उसकी मौत होने की आशंका है। शव मिलने की खबर से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाए। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि हत्यारों का सुराग लगाया जा सके। किशोर की मौत के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है और जल्द ही घटना के खुलासे का दावा किया है।

बजट-पूर्व संवाद में मुख्यमंत्री ने सुने जनप्रतिनिधियों व विशेषज्ञों के सुझाव

पथ प्रवाह, चम्पावत

एनएचपीसी बनबसा सभागार में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में बजट-पूर्व संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य के समग्र एवं संतुलित विकास, आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था, महिला सशक्तिकरण तथा जनभागीदारी को केंद्र में रखते हुए व्यापक मंथन हुआ।

कार्यक्रम का संचालन अपर सचिव मुख्यमंत्री मनमोहन मैनाली ने किया। इस अवसर पर सचिव वित्त दिलीप जावलकर ने राज्य की आर्थिक स्थिति की जानकारी देते हुए बताया कि बीते पाँच वर्षों में उत्तराखण्ड का कैपिटल आउटले 7,534 करोड़ से बढ़कर 14,765 करोड़ हो गया है। वहीं राज्य की जीडीपी वर्ष 2021-22 के 2.54 लाख करोड़ से बढ़कर 4.29 लाख करोड़ तक पहुँच गई है, जो लगभग 60 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाती है।

संवाद के दौरान ग्रामीण विकास, शहरी विकास, कृषि, उद्यान, उद्योग, महिला सशक्तिकरण, पर्यटन एवं आधारभूत संरचना से जुड़े अनेक सुझाव प्राप्त हुए। ग्रामीण क्षेत्रों में अनुदान वृद्धि, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, पंचायतों को सशक्त बनाने, जिला पंचायत सदस्यों के मानदेय एवं अध्ययन भ्रमण, नगर निकायों के संसाधनों में वृद्धि, सोलर पैनल स्थापना तथा सड़क-नाली रखरखाव पर जोर दिया गया। कृषि एवं उद्यान क्षेत्र में कीवी, ब्लूबेरी जैसी वैल्यू क्रॉप्स को बढ़ावा देने, पोस्ट-हार्वेस्ट प्रबंधन, किसानों को तकनीकी प्रशिक्षण, दूरस्थ क्षेत्रों को विशेष सहायता तथा फल उत्पादन सब्सिडी बढ़ाने के सुझाव सामने आए। उद्योग क्षेत्र में पर्वतीय क्षेत्रों में उद्योग स्थापना, एमएसएमई को सहायता और पलायन रोकने पर बल दिया गया। पर्यटन के क्षेत्र में हेली सेवा विस्तार, सस्टेनेबल टूरिज्म, ट्रैकिंग, एग्री-टूरिज्म और छोटे पर्यटन स्थलों के विकास पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार वर्ष 2047 तक उत्तराखण्ड को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बजट नागरिकों की सहभागिता से ही प्रभावी बनता है और प्राप्त सभी सुझावों को आगामी बजट में सम्मिलित करने का गंभीरता से प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रजत जयंती वर्ष में उत्तराखण्ड ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं और विकसित उत्तराखण्ड की दिशा में राज्य निरंतर आगे बढ़ रहा है।

कार्यक्रम में प्रमुख सचिव बन आर.के. सुधांशु, सचिव पर्यटन धीराज गर्ब्याल, आयुक्त कुमाऊँ दीपक रावत, जिलाधिकारी मनीष कुमार, मुख्य विकास अधिकारी जी.एस. खाती, महानिदेशक उद्योग सौरभ गहरवार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, हितधारक एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

भारत के बदले आत्मविश्वास और वैश्विक नेतृत्व की दिशा दर्शाता बजटः हरदीप सिंह पुरी

पथ प्रवाह, देहरादून

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 तेजी से आगे बढ़ते भारत के आत्मविश्वास, परिपक्वता और दूरदर्शी आर्थिक सोच को दर्शाता है। देहरादून में बजट पर आयोजित प्रेस बातचीत में उन्होंने कहा कि यह बजट विकास को गति देने और राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने के बीच संतुलन स्थापित करता है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद भारत की अर्थव्यवस्था में मौलिक परिवर्तन हुआ है और देश 'कमजोर पांच' की श्रेणी से निकलकर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हुआ है। वित्त वर्ष 2026 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत अनुमानित है, जो खपत और निवेश से प्रेरित है तथा भारत को लगातार चौथे वर्ष दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बनाती है।

मंत्री ने मूल्य स्थिरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्ष 2025 में भारत ने प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज मुद्रास्फीति गिरावट दर्ज की, जो लगभग 1.8 प्रतिशत रही। अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच औसत मुद्रास्फीति लगभग 1.7 प्रतिशत रही, जिसका प्रमुख कारण खाद्य कीमतों में कमी है।

उन्होंने बताया कि पूंजीगत व्यय आधारित विकास पर सरकार के फोकस के चलते 2026-27 में कुल पूंजीगत व्यय ?12.2 लाख करोड़ तक पहुँच गया है, जो 2013-14 की तुलना में 430 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है। राष्ट्रीय राजमार्गों, रक्षा, स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों में ऐतिहासिक निवेश हुआ है, जिससे इंफ्रास्ट्रक्चर विकास देश की अर्थव्यवस्था का प्रमुख इंजन बन गया है।

मानव संसाधन विकास को भारत की विकास यात्रा का केंद्र बताते हुए मंत्री ने कहा कि 2014 के बाद ढ्ढढ्ढ, ढ्ढढ्ढरू, ढ्ढढ्ढरू और मेडिकल कॉलेजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ज़ांज़ीबार और अबू धाबी में ढ्ढढ्ढ कैंपस भारत की शैक्षिक साख को दर्शाते हैं।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों, मेट्रो, हवाई अड्डों और रेलवे नेटवर्क के विस्तार से देशभर में कनेक्टिविटी और रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं। स्तस्ध, स्वच्छ ऊर्जा और नवाचार को प्रोत्साहित करने वाली योजनाएँ आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और मजबूत करेंगी।

मंत्री ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 एक राष्ट्र निर्माण बजट है, जो भारत को स्थायी, समावेशी और आत्मनिर्भर विकास की दिशा में निरंतर आगे बढ़ाता है।

केंद्र और राज्य सरकार ने की किसानों के लिए योजनाएं संचालित: स्वामी यतीश्वरानंद

पथ प्रवाह, पथरी।

किसान मोर्चा की ओर से आयोजित आभार जनसभा में पूर्व कैबिनेट मंत्री व भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की ओर से किसानों की खुशहाली के लिए तमाम योजनाएं संचालित कर उन्हें धरातल पर उतारने का काम किया गया है। आज गन्ने का भुगतान 405 रुपये प्रति क्विंटल करके और एक सप्ताह के अंदर भुगतान कराकर किसानों को समस्यामुक्त करने का काम किया है।

शनिवार को फेरुपुर में प्रदेश उपाध्यक्ष किसान मोर्चा भाजपा जगपाल सैनी द्वारा आयोजित किसान मोर्चा आभार सभा में बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने केंद्र और राज्य की धामी सरकार द्वारा किसानों के हित में किए गए कार्यों एवं योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में गन्ने का भाव 405 रुपये प्रति क्विंटल, केंद्र ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से साल में 6000 रुपये देकर, कीटनाशकों एवं उर्वरक, बीजों के साथ उपकरणों पर सब्सिडी देकर किसानों को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को स्वामित्व योजना के तहत घर की भूमि का अधिकार दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा का किसान मोर्चा संगठन किसानों के हित में खड़ा है। प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा महेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में किसानों को गन्ना मूल्य तो दूर उसका भुगतान तक समय पर नहीं दिया जाता था। लेकिन अब गन्ना डालते ही आठ दिन के बाद भुगतान बैंक खाते में आ जाता है। प्रदेश उपाध्यक्ष किसान मोर्चा भाजपा जगपाल सैनी ने प्रदेश नेतृत्व का आभार जताते हुए सभा में पहुंचे सभी किसानों एवं पदाधिकारियों का धन्यवाद किया।

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश गिरी, पूर्व विधायक संजय गुप्ता, राज्यमंत्री डॉक्टर जयपाल चौहान, सुनील सैनी, मोर्चा के प्रदेश सह संयोजक सचिन गुर्जर, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष जसवीर बसेड़ा, रुड़की जिलाध्यक्ष सुदेश चौधरी, चेयरमैन पंकज सैनी, अनिरूद्ध भाटी, दीपक गर्ग, श्याम सुंदर चौहान, धनंजय सैनी, मनोज कश्यप के साथ बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी, वरिष्ठ पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यमकेश्वर स्थित महायोगी गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय का किया स्थलीय निरीक्षण

महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण कर ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज को दी श्रद्धांजलि

पथ प्रवाह, पौड़ी

शनिवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यमकेश्वर स्थित महायोगी गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय का स्थलीय निरीक्षण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने महाविद्यालय परिसर की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस अवसर पर स्थानीय विधायक रेनू बिष्ट, अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, महाविद्यालय प्रशासन एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

नगर निगम के नए कार्यालय की डीपीआर पर काम, जल्द होगा बजट जारी: डॉ धनसिंह

पथ प्रवाह, पौड़ी। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने नगर निगम के एक वर्ष पूर्ण होने पर मेयर, पार्षदों और नगर निगम परिवार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि श्रीनगर नगर निगम का गठन लंबे संघर्षों के बाद संभव हुआ है और यह शहर के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि नगर निगम बनने के बाद शहर को अधिक बजट मिल रहा है, जिससे विकास कार्यों को रफ्तार मिली है। उन्होंने कहा कि आज एक ही दिन में कुल छह कार्यक्रम संपन्न कराए गए, जिनमें रजत जयंती पार्क और महादेव पार्किंग का लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही धारी देवी साइन ग्लो बोर्ड का उद्घाटन किया गया। गौशाला के पास एबीसी सेंटर (एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर) का लोकार्पण हुआ। इसके अलावा इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) चार्जिंग केंद्र का शिलान्यास किया गया और वाल्मीकि चौक निर्माण का भूमि पूजन भी कराया गया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि श्रीनगर में कूड़े के निस्तारण को लेकर लंबे समय से समस्या बनी हुई थी। इसे देखते हुए नया डंपिंग जोन चयनित किया गया, जिसके लिए लंबे संघर्षों के बाद सहमति बनी। उन्होंने बताया कि चयनित स्थल पर ट्रेंचिंग ग्राउंड की शुरुआत हो चुकी है, जिससे नगर निगम क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने बताया कि नए पार्क के पीछे नदी का कटाव लगातार बढ़ रहा है, जिससे क्षेत्र में खतरा बना हुआ है। इसे रोकने के लिए 16 करोड़ रुपये की लागत से सुरक्षा कार्य कराया जाएगा। साथ ही कहा कि नगर पालिका के समय श्रीनगर का बजट सीमित था, लेकिन नगर निगम बनने के बाद बजट में बढ़ोतरी हुई है, जिससे शहर में बड़े विकास कार्य संभव हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम के नए कार्यालय के लिए डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) पर कार्य चल रहा है।जिसके बाद शीघ्र ही धनराशि भी रिलीज की जाएगी। उन्होंने कहा कि श्रीनगर विधानसभा क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास कार्य हुए हैं।

जिलाधिकारी ने किया देवराणा, कांडी और कंडारी पंपिंग योजना सहित रा. इ. का. डामटा का स्थलीय निरीक्षण

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने अपने सघन निरीक्षण अभियान के तीसरे दिन जिले की यमुना घाटी क्षेत्र में संचालित विभिन्न जन उपयोगी और विकासपरक योजनाओं का जायजा लिया। शनिवार को निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने पुरोला में डंपिंग जोन में कूड़ा निस्तारण की समस्या को लेकर एवं रिवर प्रोटेक्शन वर्क हेतु संबंधित अधिकारियों को प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए। नगर पालिका पुरोला के वार्ड संख्या 04 में छाड़ाखड़ में नाले के चैनेलाइजेशन और पार्किंग बनाए जाने हेतु स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर पालिकाध्यक्ष पुरोला बिहारी लाल शाह उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने जल जीवन मिशन के तहत नौगांव ब्लॉक में निर्माणाधीन देवराणा पंपिंग पेयजल योजना का स्थलीय निरीक्षण कर इस योजना के निर्माण की प्रगति जानी। रू.15.36 करोड़ की लागत की इस योजना से सात हजार आठ सौ से अधिक आबादी को लाभन्वित किया जाना है। यमुना तट पर निर्माणाधीन पंपिंग स्टेशन , इंटेक वेल , वाटर ट्रीटमेंट प्लांट आदि कार्यों का निरीक्षण किया। कार्यदायी संस्था द्वारा अवगत कराया गया कि यह योजना दिसंबर 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है जिसका अभी तक 65 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। जिलाधिकारी ने काम की धीमी प्रगति पर गहरी नाराजगी व्यक्त की और जल निगम के अधिकारियों को आगाह किया कि क्षेत्र के 12 गांवों के लिए बनाई जा रही इस योजना का निर्माण जल्द से जल्द हो। जल जीवन मिशन की दूसरी योजना कांडी का भी जिलाधिकारी प्रशांत आर्य द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया गया। कार्यदायी संस्था जल संस्थान पुरोला द्वारा बनाई गई इस योजना की लागत रू. 5.28 करोड़ है जिससे 2500 लोगों को जलापूर्ति की जाएगी। अवगत कराया कि इस योजना का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है शेष थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन के लिए जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द इंस्पेक्शन कराकर इस पंपिंग योजना को संचालित किया जाए।

जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन की कंडारी पंपिंग योजना का भी स्थलीय निरीक्षण किया। रू. 26.24 करोड़ की लागत से निर्माणधीन इस योजना से 22 गांव की लगभग 10825 की आबादी लाभान्वित होगी। इस योजना का 60 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है शेष को दिसंबर 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि योजना का कार्य जल्द पूर्ण कर लोगो को जल्द इसका लाभ उपलब्ध हो कराए।

रा. इ. का. डामटा के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने स्कूल भवन सहित संचालित कक्षाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता, छात्रों की उपस्थिति, स्वच्छता, पेयजल, कक्षा संचालन की स्थिति का भी जायजा लिया गया। इस दौरान एनएसएस कैंप का भी निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने बच्चों से संवाद करते हुए उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने तथा शिक्षकों के निर्देशों का पालन करने की सलाह दी। उन्होंने बच्चों को समय पर गृहकार्य पूरा करने, स्वच्छता का ध्यान रखने, विद्यालय परिसर को साफ रखने और अनुशासन में रहने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बच्चों को मोबाइल फोन के अनावश्यक उपयोग से बचने, खेलकूद एवं योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने तथा मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। डामटा पुलिस चौकी हेतु जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने पुलिस, एनएच और निर्माण एजेंसी को संयुक्त रूप से टीम बनाकर आपसी समन्वय स्थापित कर निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

पंजनहेड़ी गोलीकांडः आरोपियों से जान का खतरा, दो के पास लाइसेंसी हथियार

जिला पंचायत उपाध्यक्ष व ग्राम प्रधान के नेतृत्व में एसपी सिटी से की मुलाकात

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

पंजनहेड़ी गोलीकांड प्रकरण में फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित चौहान के नेतृत्व में ग्रामीणों और समर्थकों का प्रतिनिधिमंडल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने एसपी सिटी अभय प्रताप सिंह से मुलाकात कर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग उठाई और स्वयं व परिवार की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित चौहान व नूरपुर पंजनहेड़ी के ग्राम प्रधान प्रदीप चौहान ने ने बताया कि 28 जनवरी 2026 को ग्राम पंजनहेड़ी स्थित उषा टाउनशिप में हुए गोलीकांड में उनके भाई सचिन चौहान और रिश्तेदार कृष्णपाल पर जानलेवा हमला किया गया था। इस प्रकरण में अभी तक चार आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं, जो खुलेआम घूम रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि मातृसदन के ब्रह्मचारी सुधानंद को अग्रिम जमानत मिल चुकी है, जबकि अन्य आरोपी– तरुण चौहान (भाजयुमो प्रदेश मंत्री) पुत्र दीपक, गौरव चौहान पुत्र प्रदीप कुमार, अभिषेक चौहान उर्फ सिम्मी पुत्र सतवीर और अभिषेक पुत्र त्रिलोक चंद अब तक गिरफ्तार नहीं किए गए हैं।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित चौहान एवं ग्राम प्रधान प्रदीप चौहान ने आरोप लगाया कि आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं, जिससे उन्हें और उनके परिवार को जान का खतरा बना हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि तरुण चौहान और गौरव चौहान के पास अब भी लाइसेंसी हथियार मौजूद हैं, जिनका दुरुपयोग कभी भी किया जा सकता है। प्रतिनिधिमंडल ने संबंधित आरोपियों के हथियार लाइसेंस निरस्त करने की भी मांग की। एसपी सिटी अभय प्रताप सिंह ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है और जल्द ही सभी फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एसपी सिटी से मुलाकात करने वालों में अवनीश चौहान, राहुल चौहान, संजय चौहान, चंदन सिंह, अंकित चौहान, राजकुमार, आकाश कुमार, शंकर, गौतम कुमार, विनीत चौहान, सहदेव, अभिषेक उर्फ शानू चौहान, विशाल, शैलेंद्र मिश्रा, योगेंद्र चौहान, दिवाकर, राकेश चौहान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व समर्थक मौजूद रहे।

धनंजय गिरी प्रकरण में विवेचक निलंबित, पीड़ितों को धन वापसी के लिए एसआईटी सक्रिय

पथ प्रवाह, कुमाऊं

भूमि से संबंधित धोखाधड़ी के मामलों की प्रभावी, निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शासन स्तर पर लैंड फ्रॉड समिति का गठन किया गया है, जो गढ़वाल एवं कुमाऊँ मंडल के आयुक्तों के अधीन कार्य कर रही है। इसके अतिरिक्त, कुमाऊँ परिक्षेत्र में भूमि धोखाधड़ी के मामलों की जांच हेतु पुलिस महानिरीक्षक, कुमाऊँ परिक्षेत्र रिधिम अग्रवाल के निर्देशन में एक परिक्षेत्रीय विशेष जांच टीम का गठन किया गया है।

पूर्व में कुछ जनपदों ने अपने स्तर पर जिला स्तरीय एसआईटी का गठन किया गया था, जो नियमानुसार अनुचित पाया गया। इन जिला स्तरीय एसआईटी में कुछ पुलिस कर्मियों की संलिप्तता से संबंधित शिकायतें समय-समय पर प्राप्त होने के दृष्टिगत, पुलिस महानिरीक्षक कुमाऊँ द्वारा कुमाऊँ परिक्षेत्र के सभी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों/पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया गया है कि जनपद स्तर पर गठित समस्त एसआईटी को तत्काल प्रभाव से भंग किया जाए।

अब भविष्य में इस प्रकार का कोई भी भूमि धोखाधड़ी का मामला प्रकाश में आने पर उसकी प्रारंभिक जांच संबंधित क्षेत्राधिकारी द्वारा की जाएगी, जिसके उपरांत अग्रिम वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

धनंजय गिरी प्रकरण

गत दो माह के दौरान अभियुक्त धनंजय गिरी से संबंधित कई पीड़ितों द्वारा पुलिस महानिरीक्षक, कुमाऊँ परिक्षेत्र कार्यालय में लिखित शिकायतें प्रेषित की गई, साथ ही अनेक पीड़ित स्वयं उपस्थित होकर भी अपनी शिकायतें दर्ज कराते रहे। प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए परिक्षेत्रीय कार्यालय ने अभियुक्त धनंजय गिरी के विरुद्ध प्राप्त समस्त शिकायतों, पंजीकृत एफआईआर एवं शिकायतकर्ताओं की विस्तृत सूची तैयार की गई। अभियुक्त द्वारा धोखाधड़ी से अर्जित समस्त चल-अचल संपत्तियों का विवरण संकलित किया गया। विवेचक को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि प्रकरण में शीघ्र, प्रभावी एवं कठोर कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, जिससे पीड़ितों को न्याय एवं उनकी धनराशि वापस दिलाई जा सके। परंतु विवेचक की मिलीभगत एवं कर्तव्य में घोर लापरवाही के कारण अभियुक्त को लाभ पहुंचने की स्थिति उत्पन्न हुई। इस गंभीर अनुशासनहीनता के दृष्टिगत उप निरीक्षक अनिल कुमार, चौकी भोटियापड़ाव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

पीड़ितों को धन वापसी–एसआईटी का प्रमुख उद्देश्य

पुलिस महानिरीक्षक कुमाऊँ द्वारा पूर्व में गठित परिक्षेत्रीय एसआईटी को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि एसआईटी का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अभियुक्त द्वारा धोखाधड़ी से अर्जित धनराशि को नए कानून बीएनएसएस की धारा 107 के अंतर्गत न्यायालय के माध्यम से कुर्क कराते हुए, पीड़ितों को उनके निर्धारित प्रतिशत के अनुसार धन वापसी कराई जा सके। कुमाऊँ पुलिस उन सभी पीड़ितों से अपील करती है जिनके प्रार्थना पत्र अब तक प्राप्त नहीं हो सके हैं, अथवा जिनके साथ अभियुक्त धनंजय गिरी या उसके सहयोगियों द्वारा किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी की गई है, वे अपनी शिकायत निम्न माध्यम से उपलब्ध कराएं–

परिक्षेत्रीय मोबाइल नंबर : 9411110057, एसआईटी प्रभारी मनोज कत्याल

पुलिस अधीक्षक (नगर), हल्द्वानी ताकि पीड़ितों को उनकी धनराशि वापस दिलाने की प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।

जनहित में कुमाऊँ पुलिस की अपील

पुलिस महानिरीक्षक, कुमाऊँ परिक्षेत्र की ओर से आमजन से अपील की जाती है कि किसी भी व्यक्ति, निजी फंड या योजना में धन निवेश करने से पूर्व यह भली-भांति जांच कर लें कि संबंधित संस्था अथवा व्यक्ति सरकार द्वारा अधिकृत है या नहीं। साथ ही, कुमाऊँ परिक्षेत्र के समस्त जनपद प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि अपने-अपने जनपदों में इस प्रकार की गतिविधियों अथवा संदिग्ध व्यक्तियों की सूची तैयार कर परिक्षेत्रीय एसआईटी को तत्काल उपलब्ध कराएं। अभियुक्त धनंजय गिरी के विरुद्ध एसआईटी द्वारा सख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। पूर्व में केवल धारा 41(क) के नोटिस तामील कर औपचारिकता पूर्ण की गई थी, जिससे किसी भी पीड़ित को धन वापसी संभव नहीं हो सकी। इस संबंध में जनपद नैनीताल के एसआईटी प्रभारी को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि अभियुक्त के विरुद्ध कठोर, प्रभावी एवं परिणामोन्मुखी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

एक नजर

नगर पालिका परिषद के नव-निर्वाचित बोर्ड की प्रथम वर्षगांठ पर गिनायी गई उपलब्धियां

पथ प्रवाह, मसूरी। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मसूरी स्थित टाउन हॉल में नगर पालिका परिषद के नव-निर्वाचित बोर्ड की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका परिषद द्वारा बीते एक वर्ष की उपलब्धियों एवं आगामी प्रस्तावित विकास कार्यों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। प्रस्तुतीकरण में नगर क्षेत्र में किए गए एवं प्रस्तावित कार्यों में आरसीसी सड़क मार्गों एवं आंतरिक सड़कों का निर्माण, सुरक्षा रेलिंग, सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण, प्याऊ की सुविधा, टाउन हॉल का सुदृढ़ीकरण, वार्डों में सामुदायिक भवनों का निर्माण, पथ प्रकाश लाइट, हाई मास्क लाइट सहित अन्य जनहितकारी कार्य शामिल रहे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने नगर की स्वच्छता व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले पर्यावरण मित्रों को उपहार एवं गर्म कम्बल भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने पर्यावरण मित्रों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मसूरी शहर को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है, जिसके लिए शासन द्वारा नगर पालिका को 25 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है। उन्होंने नगर पालिका परिषद को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि भविष्य में भी विकास एवं स्वच्छता के कार्य इसी प्रतिबद्धता के साथ जारी रहेंगे। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष मीरा सकलानी, मंडल अध्यक्ष रजत अग्रवाल, अधिशासी अधिकारी गौरव भसीन, मोहन पेटवाल, बोर्ड के सभी सदस्यगण सहित कई लोग उपस्थित रहे।

माघ खिचड़ी भोज में मुख्यमंत्री ने निभाई लोक परंपरा, खड़ी होली की धुनों पर झूमा टनकपुर

पथ प्रवाह, चम्पावत

टनकपुर स्थित शारदा घाट में आयोजित पारंपरिक माघ खिचड़ी भोज कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सहभाग कर प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं को स्वयं खिचड़ी प्रसाद वितरित किया और स्थानीय नागरिकों के साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कुमाऊँ अंचल की प्राचीन लोक परंपरा खड़ी होली में भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाओं ने घेरा बनाकर खड़े होकर कुमाऊँनी लोकगीत गाए, जिनमें मुख्यमंत्री ने भी स्वर मिलाया। ढोल-दमाऊँ और लोकधुनों की मधुर लय पर शारदा घाट का पूरा वातावरण भक्ति, उल्लास और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर हो उठा।

टनकपुर की गलियों में गूंजती खड़ी होली की धुनों ने कुमाऊँ की जीवंत लोक परंपराओं की सुंदर झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, महिलाएं और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि माघ मास श्रद्धा, सादगी, संयम और समरसता का प्रतीक है। खिचड़ी भोज जैसी परंपराएँ समाज को एक सूत्र में बांधती हैं और आपसी भाईचारे को मजबूत करती हैं। उन्होंने कहा कि खड़ी होली जैसी लोक विधाएँ हमारी सांस्कृतिक विरासत की पहचान हैं, जो हमें अपनी जड़ों से जोड़ती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी लोक परंपराएँ सामाजिक एकता को सुदृढ़ करती हैं और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक पहचान से परिचित कराती हैं। उन्होंने प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता भी दोहराई।

सिडकुल पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोबाल के निर्देश पर जनपद हरिद्वार में 'पुलिस आपके द्वार' कार्यक्रम चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक/नोडल अधिकारी महिला सुरक्षा सैल के निर्देशन में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में यह जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कोतवाली सिडकुल पुलिस ने हिंदुस्तान यूनिलीवर कंपनी में जागरूकता कार्यक्रम किया। कार्यक्रम के माध्यम से कंपनी में कार्यरत महिला कर्मचारियों को उनके कानूनी अधिकारों व कर्तव्यों, महिलाओं व बच्चों से संबंधित विशेष कानूनों तथा वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया। पुलिस टीम द्वारा उपस्थित महिला कर्मचारियों को 'गौरा शक्ति ऐप' के बारे में जानकारी देते हुए अधिक से अधिक संख्या में ऐप पर पंजीकरण करने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही महिला पुलिस अधिकारियों एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अधिकार मित्र द्वारा 'गुड टच-बैड टच' विषय पर जागरूक करते हुए स्वयं की सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी गई।

धनंजय गिरी प्रकरण में विवेचक निलंबित, पीड़ितों को धन वापसी के लिए एसआईटी सक्रिय

पथ प्रवाह, कुमाऊं

भूमि से संबंधित धोखाधड़ी के मामलों की प्रभावी, निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शासन स्तर पर लैंड फ्रॉड समिति का गठन किया गया है, जो गढ़वाल एवं कुमाऊँ मंडल के आयुक्तों के अधीन कार्य कर रही है। इसके अतिरिक्त, कुमाऊँ परिक्षेत्र में भूमि धोखाधड़ी के मामलों की जांच हेतु पुलिस महानिरीक्षक, कुमाऊँ परिक्षेत्र रिधिम अग्रवाल के निर्देशन में एक परिक्षेत्रीय विशेष जांच टीम का गठन किया गया है। पूर्व में कुछ जनपदों ने अपने स्तर पर जिला स्तरीय एसआईटी का गठन किया गया था, जो नियमानुसार अनुचित पाया गया। इन जिला स्तरीय एसआईटी में कुछ पुलिस कर्मियों की संलिप्तता से संबंधित शिकायतें समय-समय पर प्राप्त होने के दृष्टिगत, पुलिस महानिरीक्षक कुमाऊँ द्वारा कुमाऊँ परिक्षेत्र के सभी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों/पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया गया है कि जनपद स्तर पर गठित समस्त एसआईटी को तत्काल प्रभाव से भंग किया जाए। अब भविष्य में इस प्रकार का कोई भी भूमि धोखाधड़ी का मामला प्रकाश में आने पर उसकी प्रारंभिक जांच संबंधित क्षेत्राधिकारी द्वारा की जाएगी, जिसके उपरांत अग्रिम वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

धनंजय गिरी प्रकरण

गत दो माह के दौरान अभियुक्त धनंजय गिरी से संबंधित कई पीड़ितों द्वारा पुलिस महानिरीक्षक, कुमाऊँ परिक्षेत्र कार्यालय में लिखित शिकायतें प्रेषित की गईं, साथ ही अनेक पीड़ित स्वयं उपस्थित होकर भी अपनी शिकायतें दर्ज कराते रहे। प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए परिक्षेत्रीय कार्यालय ने अभियुक्त धनंजय गिरी के विरुद्ध प्राप्त समस्त शिकायतों, पंजीकृत एफआईआर एवं शिकायतकर्ताओं की विस्तृत सूची तैयार की गई। अभियुक्त द्वारा धोखाधड़ी से अर्जित समस्त चल-अचल संपत्तियों का विवरण संकलित किया गया। विवेचक को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि प्रकरण में शीघ्र, प्रभावी एवं कठोर कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, जिससे पीड़ितों को न्याय एवं उनकी धनराशि वापस दिलाई जा सके। परंतु विवेचक की मिलीभगत एवं कर्तव्य में घोर लापरवाही के कारण अभियुक्त को लाभ पहुंचने की स्थिति उत्पन्न हुई। इस गंभीर अनुशासनहीनता के दृष्टिगत उप निरीक्षक अनिल कुमार, चौकी भोटियापड़ाव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

पीड़ितों को धन वापसी – एसआईटी का प्रमुख उद्देश्य

पुलिस महानिरीक्षक कुमाऊँ द्वारा पूर्व में गठित परिक्षेत्रीय एसआईटी को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि एसआईटी का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अभियुक्त द्वारा धोखाधड़ी से अर्जित धनराशि को नए कानून बीएमएसएस की धारा 107 के अंतर्गत न्यायालय के माध्यम से कुर्क कराते हुए, पीड़ितों को उनके निर्धारित प्रतिशत के अनुसार धन वापसी कराई जा सके। कुमाऊँ पुलिस उन सभी पीड़ितों से अपील करती है जिनके प्रार्थना पत्र अब तक प्राप्त नहीं हो सके हैं, अथवा जिनके साथ अभियुक्त धनंजय गिरी या उसके सहयोगियों द्वारा किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी की गई है, वे अपनी शिकायत निम्न माध्यम से उपलब्ध कराएं–

परिक्षेत्रीय मोबाइल नंबर : 9411110057, एसआईटी प्रभारी मनोज कत्याल

पुलिस अधीक्षक (नगर), हल्द्वानी ताकि पीड़ितों को उनकी धनराशि वापस दिलाने की प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।

जनहित में कुमाऊँ पुलिस की अपील

पुलिस महानिरीक्षक, कुमाऊँ परिक्षेत्र की ओर से आमजन से अपील की जाती है कि किसी भी व्यक्ति, निजी फंड या योजना में धन निवेश करने से पूर्व यह भली-भांति जांच कर लें कि संबंधित संस्था अथवा व्यक्ति सरकार द्वारा अधिकृत है या नहीं। साथ ही, कुमाऊँ परिक्षेत्र के समस्त जनपद प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि अपने-अपने जनपदों में इस प्रकार की गतिविधियों अथवा संदिग्ध व्यक्तियों की सूची तैयार कर परिक्षेत्रीय एसआईटी को तत्काल उपलब्ध कराएं। अभियुक्त धनंजय गिरी के विरुद्ध एसआईटी द्वारा सख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। पूर्व में केवल धारा 41(क) के नोटिस तामील कर औपचारिकता पूर्ण की गई थी, जिससे किसी भी पीड़ित को धन वापसी संभव नहीं हो सकी। इस संबंध में जनपद नैनीताल के एसआईटी प्रभारी को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि अभियुक्त के विरुद्ध कठोर, प्रभावी एवं परिणामोन्मुखी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

डीएम और एसएसपी ने कूड़ा उठाया तो सांसद त्रिवेंद्र रावत ने मनोबल बढ़ाया

हरिद्वार में ऐतिहासिक महा मेगा सफाई अभियान में 2.75 लाख लोगों की सहभागिता से स्वच्छता का नया रिकॉर्ड

पथ प्रवाह, नवीन चौहान

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की स्वच्छता की मुहिम के सार्थक परिणाम नजर आ रहे है। बीते तीन महीनों ने अनवरत हरिद्वार जनपद में सफाई अभियान चलाया जा रहा है। लेकिन 7 फरवरी 2026 का दिन हरिद्वार के इतिहास में दर्ज हो गया। जब एक साथ– एक समय में 2.75 लाख से अधिक लोगों ने सफाई अभियान में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। इस अभियान के दौरान पूरे जनपद से कुल 143 मीट्रिक टन कूड़ा-कचरा एकत्रित किया गया।

हरिद्वार जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन पर जनपद भर में महा मेगा सफाई अभियान शुरू किया गया। जिलाधिकारी, एसएसपी, सीडीओ सहित तमाम प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस के जवानों ने रोड़ीबेलवाला पंतद्वीप पार्किंग में कूड़ा उठाकर स्वच्छता के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम की। स्वच्छता की मुहिम ने जोर पकड़ा तो लाखों हाथ कूड़ा उठाने को बढ़ते चले गए।

हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने भी तमाम भाजपाईयों के साथ डामकोठी और उसके आसपास के इलाकों में कूड़ा उठाकर स्वच्छता की मुहिम को जारी रखा। इस व्यापक अभियान में जनपद के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से 2 लाख 75 हजार से अधिक नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ जनपद के संकल्प को साकार करने में अपना योगदान दिया।

बताते चले कि सुबह से ही अभियान को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। नगर निकायों, ग्राम पंचायतों, शैक्षणिक संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों, व्यापार मंडलों, सरकारी विभागों, एनसीसी, एनएसएस एवं स्कूली छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सड़कों, गलियों, सार्वजनिक स्थलों, बाजारों, पार्कों, बस स्टैंड, नालियों और धार्मिक स्थलों पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया।

महा मेगा सफाई अभियान के दौरान पूरे जनपद से कुल 143 मीट्रिक टन कूड़ा-कचरा एकत्रित किया गया। इसमें 91 मीट्रिक टन सूखा कूड़ा एवं 52 मीट्रिक टन गीला कूड़ा शामिल रहा। कूड़े का पृथक्करण करते हुए उसे नियमानुसार निस्तारित किया गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिली।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने अभियान में भाग लेने वाले सभी नागरिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली जनआंदोलन है। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता से ही स्वच्छता के लक्ष्य को स्थायी रूप से हासिल किया जा सकता है।

अभियान के दौरान स्वच्छता के प्रति जागरूकता संदेश भी दिए गए और लोगों से अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखने, कूड़ा अलग-अलग रखने तथा प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की अपील की गई। महा मेगा सफाई अभियान की अभूतपूर्व सफलता ने यह साबित कर दिया कि जब प्रशासन और जनता एक साथ मिलकर कार्य करते हैं, तो जनपद को स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर बनाने का सपना अवश्य पूरा होता है।

एसपी विशाखा भदाणे ने घटनास्थल पहुंचकर परिजनों से की मुलाकात

पथ प्रवाह, ऋषिकेश। शिवाजी नगर क्षेत्र में एक महिला की गोली मारकर निर्मम हत्या की अत्यंत संवेदनशील और दुःखद घटना को लेकर पुलिस मुख्यालय उत्तराखण्ड ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्चस्तरीय जांच प्रारंभ कर दी है। पुलिस मुख्यालय द्वारा नामित जांच अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती विशाखा अशोक भदाणे (IPS) ने शुक्रवार को ऋषिकेश पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और पूरे प्रकरण की विस्तृत समीक्षा की। एसपी विशाखा भदाणे ने मौके पर पहुंचकर घटना से जुड़े हर पहलू की बारीकी से जानकारी ली। इसके उपरांत उन्होंने कोतवाली ऋषिकेश पहुंचकर प्रकरण से संबंधित अभिलेखों, पुलिस रिस्पॉन्स तथा अब तक की कार्रवाई का गहन अवलोकन किया। महिला अपराधों के प्रति पुलिस की संवेदनशीलता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह जांच महिला IPS अधिकारी को सौंपी गई है। पुलिस अधीक्षक ने पीड़ित परिवार से भेंट कर शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने परिवार के सदस्यों के विस्तृत बयान दर्ज करते हुए उन्हें आश्वस्त किया कि मामले की विवेचना पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और तथ्यों के आधार पर की जा रही है।

गोल्डन आवर, गुड सेमेरिटन कानून और हिट एंड रन पर प्रभावशाली नाट्य मंचन

पथ प्रवाह, रुड़की। क्वांटम कॉलेज/क्वांटम यूनिवर्सिटी में सड़क सुरक्षा एवं फर्स्ट रेस्पॉन्डर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं को दुर्घटना के समय त्वरित सहायता, कानूनी संरक्षण एवं जीवन रक्षक तकनीकों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में गोल्डन आवर के महत्व, गुड सेमेरिटन कानून, हिट एंड रन प्रावधान, ड्रिंक एंड ड्राइव के दुष्परिणाम तथा कैशलेस उपचार योजना पर विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों द्वारा हिट एंड रन एवं गुड सेमेरिटन कानून पर प्रस्तुत नाट्य मंचन ने दर्शकों को जागरूक करने के साथ भावनात्मक रूप से भी प्रभावित किया।

एनडीआरएफ की टीम द्वारा प्राथमिक उपचार, सीपीआर (CPR), रासायनिक आपदा प्रबंधन एवं आपातकालीन स्थिति में बचाव कार्यों का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। यंग इंडिया टीम ने भी विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन एवं दुर्घटना राहत से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संभागीय परिवहन अधिकारी देहरादून संदीप सैनी एवं संयुक्त मजिस्ट्रेट रुड़की दीपम सेठ रहे। विशिष्ट अतिथियों में क्वांटम यूनिवर्सिटी के उपकुलपति डॉ विवेक कुमार, रजिस्ट्रार अमित दीक्षित, एआरटीओ मुख्यालय देहरादून एल्विन रॉक्सी एआरटीओ (प्रशासन) रुड़की जितेंद्र चंद, एनडीआरएफ कमांडेंट उपस्थित रहे।

विशेष उल्लेखनीय है कि एआरटीओ (प्रवर्तन) रुड़की कृष्ण चंद्र पलेरिया द्वारा न केवल कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया, बल्कि उन्होंने स्वयं निर्देशन एवं अभिनय कर सड़क सुरक्षा संदेश को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने सड़क सुरक्षा नियमों के पालन एवं दुर्घटना पीड़ितों की सहायता हेतु सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com